R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 161
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
बुधवार, 18 फरवरी, 2026

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

3 पण्डिला मेले में युवक की पिटाई, पसली की हड्डी टूटी
5 चौरी पुलिस ने शातिर चोरों को दबोचा
7 सियासत में व्यक्तिगत टिप्पणी! भाजपा नेता के ...

मैक्रों से मुलाकात के बाद पीएम मोदी बोले- भारत फ्रांस साझेदारी की कोई सीमा नहीं

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को मुंबई में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की, जिसका उद्देश्य भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना था। यह वार्ता महाराष्ट्र लोक भवन में हुई, जहां दोनों नेताओं ने अपने-अपने प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करते हुए आपसी हित के कई मुद्दों पर चर्चा की। यह बैठक राष्ट्रपति मैक्रॉन की भारत की चौथी यात्रा के अंतर्गत हुई। इससे पहले दिन में प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मित्र, फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रॉन से मिलकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी बताया कि फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने भारत की वित्तीय राजधानी में अपने अनुभव साझा किए और कहा कि मैक्रोन को यह शहर पसंद आया और उन्होंने सुबह की दौड़ का आनंद लिया।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा, मुंबई में अपने मित्र, राष्ट्रपति मैक्रोन से मिलकर बहुत खुशी हुई! उन्होंने मुझे बताया कि उन्हें यह शहर बहुत पसंद आया और उन्होंने सुबह की दौड़ का भी आनंद लिया!' दोनों नेताओं ने अपनी वार्ता से पहले मुंबई के लोकसभा भवन में मुलाकात की, जहां उन्होंने भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी के प्रमुख पहलुओं की समीक्षा की। दोनों नेताओं को एक-दूसरे का अभिवादन करते हुए सौहार्दपूर्ण बातचीत करते देखा गया। आज सुबह मुंबई में सुबह की चहल-पहल शुरू होने के समय, फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने सुबह की सैर में शामिल होकर मुंबईवासियों को चौंका दिया। फ्रांसीसी राष्ट्रपति को फ्रांसीसी और भारतीय अधिकारियों सहित सुरक्षाकर्मियों के एक दल के साथ जॉगिंग करते देखा गया। यह जॉगिंग शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई और रास्ते में मीडिया और स्थानीय लोगों की ओर से कोई खास व्यवधान नहीं हुआ। उसी दिन, आतंकवाद के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय एकजुटता को दर्शाते हुए एक मार्मिक क्षण में, फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रॉन और प्रथम महिला ब्रिगिट मैक्रॉन ने अपने आगमन पर 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस भाव ने कट्टरता और हिंसा के घावों का सामना कर चुके दो देशों के बीच एक सेतु का काम किया, जिसमें राष्ट्रपति मैक्रॉन ने लचीलेपन और लोकतंत्र के उन साझा मूल्यों पर जोर दिया जो नई दिल्ली और पेरिस को आपस में जोड़ते हैं।

जम्मू-कश्मीर का इंतजार खत्म? मंत्री मेघवाल बोले- राज्य के दर्जा पर 'बहुत जल्द' आएगा फैसला

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने मंगलवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर को जल्द ही राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाएगा। इस पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इंतजार ज्यादा लंबा नहीं होगा। शेर-ए-कश्मीर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र (एसकेआईसीसी) में एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद मेघवाल ने पत्रकारों से कहा कि हालांकि यह एक बेहद संवेदनशील मुद्दा है, लेकिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में कहा है कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाएगा।

मेघवाल ने दावा किया कि गृह मंत्री अमित शाह लोकसभा में पहले ही आश्वासन दे चुके हैं कि उचित प्रक्रिया का पालन किया जाएगा और लोगों को उनका हक मिलेगा। मेघवाल श्रीनगर में टेली-लॉ (अर्ह्ग्ं) योजना पर एक क्षेत्रीय कार्यशाला का नेतृत्व करने आए थे, जिसका उद्देश्य प्रौद्योगिकी-आधारित कानूनी सेवाओं पर ध्यान केंद्रित करना था। हालांकि, क्षेत्र की राजनीतिक स्थिति पर उनकी टिप्पणी ने तुरंत ध्यान आकर्षित किया।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, जो इस कार्यक्रम में भी उपस्थित थे, ने मंत्री की टिप्पणियों पर सतर्क आशावाद व्यक्त किया। अब्दुल्ला ने कहा कि उनकी सरकार केंद्र के साथ निरंतर संवाद में है, लेकिन प्रक्रिया में अपेक्षा से अधिक समय लग रहा है। उन्होंने कहा कि आपको यह मिल जाएगा, लेकिन इसके लिए एक प्रक्रिया है। मुझे लगता है कि आपको जल्द ही इस संबंध में निर्णय की जानकारी मिल जाएगी। मेघवाल की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, समारोह में उपस्थित अब्दुल्ला ने कहा, 'मैंने सुना है कि (केंद्रीय) मंत्री ने कहा है कि हमें जल्द ही अच्छी खबर सुनने को मिलेगी। अब्दुल्ला ने पत्रकारों से कहा कि डेढ़ साल का इंतजार हो चुका है। हमें उम्मीद है कि अब हमें ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

न्यूजक्लिक और उसके चीफ एडिटर पर ईडी का बड़ा ऐक्शन, 184 करोड़ का लगा जुर्माना

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रवर्तन निदेशालय ने न्यूज़ पोर्टल न्यूज़क्लिक की मालिक कंपनी पीपीके न्यूज़क्लिक स्टूडियो प्राइवेट लिमिटेड और इसके संस्थापक-संपादक प्रबीर पुरकायस्था पर विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 के कथित उल्लंघन के लिए 184 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। एजेंसी के अनुसार, कुल जुर्माने में से 120 करोड़ रुपये कंपनी पर लगाए गए हैं, जबकि पुरकायस्था पर इसी आदेश के तहत 64 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। यह कार्रवाई फेमा की धारा 16 के तहत शिकायत दर्ज होने के बाद शुरू की गई न्यायिक कार्यवाही के बाद की गई है। ईडी ने कहा कि निर्णायक प्राधिकरण ने दस्तावेजी साक्ष्य, वित्तीय रिकॉर्ड और पक्षों द्वारा प्रस्तुत दलीलों की जांच करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला कि कंपनी और उसके निदेशक ने विदेशी मुद्रा नियमों का बड़े पैमाने पर और व्यवस्थित रूप से उल्लंघन किया है। कथित उल्लंघनों में बड़े पैमाने पर विदेशी मुद्रा लेनदेन और नियामक प्राधिकरणों को प्रस्तुत वैधानिक घोषणाओं में विसंगतियां शामिल हैं।

एजेंसी ने बताया कि न्यूज़क्लिक ने आधिकारिक दस्तावेज़ों में अपने व्यवसाय की प्रकृति को गलत तरीके से प्रस्तुत करके, क्षेत्रीय शर्तों और प्रवेश मार्ग की आवश्यकताओं को दरकिनार करते हुए, 2018-19 के दौरान लगभग 9.59 करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्राप्त किया। एजेंसी ने आगे आरोप लगाया कि 2018-19 और 2023-24 के बीच प्राप्त 82.63 करोड़ रुपये की विदेशी आवक प्रेषण राशि को पर्याप्त दस्तावेज़ीकरण या अनिवार्य सॉफ्टेक्स फॉर्म जमा किए बिना निर्यात आय के रूप में वर्गीकृत किया गया था। ईडी ने दावा किया कि इन लेन-देनों को इस तरह से संरचित किया गया था जिससे विदेशी मुद्रा विनियमों के उद्देश्यों को विफल किया जा सके। फेमा की धारा 13(1) के तहत जुर्माना लगाया गया, जबकि अधिनियम की धारा 42 के तहत पुरकायस्थों पर भी दायित्व निर्धारित किया गया, जो किसी कंपनी के प्रभारी व्यक्तियों को संबंधित अवधि के दौरान उल्लंघनों के लिए उत्तरदायी ठहराता है।

राहुल गांधी को बड़ी राहतः कर्नाटक हाईकोर्ट ने भाजपा का मानहानि केस रद्द किया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कर्नाटक हाईकोर्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को एक बड़ी राहत देते हुए भारतीय जनता पार्टी की राज्य इकाई द्वारा दायर मानहानि की शिकायत को रद्द कर दिया है। जस्टिस एस. सुनील दत्त यादव की एकल पीठ ने राहुल गांधी की याचिका पर यह फैसला सुनाया, जिसमें उन्होंने निचली अदालत द्वारा जारी समन और पूरी कार्यवाही को चुनौती दी थी।

यह विवाद 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनावों के दौरान शुरू हुआ था। कांग्रेस पार्टी ने राज्य की तत्कालीन भाजपा सरकार पर '40इ कमीशन' का आरोप लगाते हुए प्रमुख अखबारों में 'करप्शन रेट कार्ड' (भ्रष्टाचार की दर सूची) विज्ञापन प्रकाशित किए थे। भाजपा ने इसे मानहानि बताते हुए राहुल गांधी, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के खिलाफ केस दर्ज कराया था।

अदालत ने फैसले का मुख्य हिस्सा सुनाते हुए स्पष्ट किया कि राहुल गांधी के खिलाफ इस मामले में कार्यवाही को जारी रखना 'कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग' होगा। राहुल गांधी के वकीलों ने दलील दी थी कि विज्ञापन पार्टी द्वारा जारी किया गया था और राहुल गांधी का इसे सोशल मीडिया पर साझा करना मानहानि की श्रेणी में नहीं आता, क्योंकि वे उस समय किसी आधिकारिक पार्टी पद पर नहीं थे और न ही इसमें उनकी सीधी भूमिका थी। इससे पहले निचली अदालत ने उन्हें पेशी से स्थायी छूट दी थी, लेकिन अब हाई कोर्ट के इस फैसले के बाद यह मामला पूरी तरह खत्म हो गया है।

5 राज्यों में चुनावी शंखनाद की तैयारी, चुनाव आयोग मार्च के मध्य में कर सकता है तारीखों का ऐलान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों का कार्यक्रम मार्च के मध्य में घोषित कर सकता है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि इन चारों राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में मतदान अप्रैल में अलग-अलग तारीखों पर होने की संभावना है। अधिकारियों ने बताया कि चुनाव आयोग सभी पांच विधानसभाओं के चुनाव की तारीखें मार्च के मध्य में एक साथ घोषित करने की योजना बना रहा है। हालांकि, मतदान राज्य के अनुसार कई चरणों में भी हो सकता है।

पांचों विधानसभाओं का कार्यकाल मई और जून में अलग-अलग तारीखों पर समाप्त हो रहा है। पुडुचेरी विधानसभा का कार्यकाल 15 जून को समाप्त हो रहा है, जबकि असम, केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं का कार्यकाल क्रमशः 20 मई, 23 मई, 10 मई और 7 मई को समाप्त होगा। चुनाव आयोग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं और तैयारियों का जायजा लेने के लिए चुनाव वाले राज्यों का दौरा कर रहा है। चुनाव आयोग की एक टीम वर्तमान में असम में चुनाव तैयारियों की समीक्षा कर रही है।

पिछले विधानसभा चुनावों में, पश्चिम बंगाल में आठ चरणों में मतदान हुआ था, जो सभी राज्यों में सबसे अधिक था। असम में दो चरणों में मतदान हुआ, जबकि तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में एक-एक चरण में चुनाव हुए थे। तैयारियों के तहत, मतदाता सूचियों के संशोधन के बाद अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जा रही है। मतदाता सूचियों के चल रहे विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के तहत पुडुचेरी ने 14 फरवरी को अपनी अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित करने वाला पहला राज्य था।

तमिलनाडु मंगलवार को एसआईआर के बाद अपनी अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित करने वाला है, जबकि केरल 21 फरवरी को अपनी अंतिम सूची जारी करेगा। पश्चिम बंगाल की अंतिम मतदाता सूची 28 फरवरी को प्रकाशित की जाएगी। असम में, जहां एसआईआर के बजाय मतदाता सूचियों का विशेष संशोधन किया गया था, अंतिम सूची 10 फरवरी को प्रकाशित की गई थी।

जम्मू से फरार 2 पाकिस्तानी कैदी लुधियाना में गिरफ्तार, 24 घंटे में पुलिस का बड़ा एक्शन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। जम्मू के एक किशोर निगरानी गृह से फरार हुए दो पाकिस्तानी नागरिकों को घटना के 24 घंटे के भीतर पंजाब के लुधियाना में गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। ये गिरफ्तारियां जम्मू और कश्मीर पुलिस द्वारा की गईं, जबकि तीसरा फरार आरोपी, जो एक स्थानीय गैंगस्टर है, अभी भी फरार है। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी नागरिकों का पीछा करते हुए पुलिस दल ने उन्हें पंजाब के लुधियाना के एक गांव में पकड़ा और बाद में गिरफ्तार कर लिया।

पाकिस्तानी नागरिक और एक स्थानीय कैदी सोमवार को जम्मू के सीमावर्ती इलाके में स्थित एक किशोर सुधार गृह से कथित तौर पर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर हमला करने के बाद फरार हो गए। यह घटना शाम करीब 5:30 बजे आरएस पुरा स्थित किशोर निगरानी गृह में घटी। फरार हुए कैदियों की पहचान अहसान अनवर (मोहम्मद अनवर का पुत्र, निवासी ननकाना साहिब, पंजाब, पाकिस्तान), मोहम्मद सनाउल्लाह (मोहम्मद जफ्फर का पुत्र, निवासी बस्ती जावेवाला, तहसील दीनपुर, मुजफ्फरबाद, पाकिस्तान), और करनजीत सिंह उर्फ गुग्गा (अर्जुन सिंह का पुत्र, निवासी डबलेहर, आरएस पुरा) के रूप में हुई।

कैदियों ने भागने के दौरान दो पुलिसकर्मियों को घायल कर दिया। घायल पुलिसकर्मियों की पहचान विनय कुमार (विशेष पुलिस अधिकारी, एसपीओ) और हेड कांस्टेबल परवीन कुमार के रूप में हुई, जो घटना के समय ड्यूटी पर थे। उन्हें चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। फरार होने की घटना के बाद पुलिस ने तुरंत संज्ञान लिया और बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया। कई विशेष टीमें गठित की गईं और राज्यों के विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की गई, जिसके परिणामस्वरूप लुधियाना से दो पाकिस्तानी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। अब प्रयास तीसरे फरार आरोपी करणजीत सिंह उर्फ गुग्गा को ढूंढने और पकड़ने पर केंद्रित हैं, जो अभी भी फरार है। अधिकारियों ने बताया कि फरार होने की घटना को अंजाम देने के तरीके और इसमें किसी बाहरी सहायता की भूमिका का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

इंडिया गठबंधन में राहुल गांधी पर 'अविश्वास'? भाजपा बोली- अपने ही नेता छोड़ रहे साथ

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने मंगलवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा और कहा कि न तो जनता और न ही उनके सहयोगी और पार्टी सदस्य उनसे जुड़ना चाहते हैं। पूनावाला ने कहा कि पूर्व कांग्रेस नेता नवजोत कौर सिद्धू ने इस बात को उजागर किया है कि गांधी ने पंजाब की सद्भावना की उपेक्षा कैसे की। उन्होंने कहा कि आज राहुल गांधी के खिलाफ एक और अविश्वास प्रस्ताव पारित किया गया है। इस बार पंजाब से। नवजोत कौर सिद्धू, जिनके पति नवजोत सिद्धू अभी भी कांग्रेस में हैं, जिन्होंने पहले कहा था कि कांग्रेस में मुख्यमंत्री का पद 500 करोड़ रुपये में बिक गया है, ने बताया कि राहुल गांधी पंजाब की सद्भावना की अनदेखी कैसे करते हैं।

पूनावाला ने यह भी दावा किया कि कांग्रेस के कई सहयोगी भी उन पर अविश्वास व्यक्त करते हैं और आगे कहा कि न तो जनता और न ही पार्टी के वरिष्ठ नेता गांधी से जुड़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इससे पहले, हमने मणि शंकर अय्यर का बयान देखा और असम कांग्रेस में जिस तरह के बयान दिए जा रहे हैं, उससे पता चलता है कि लोग वहां से भी अलग होना चाहते हैं। टीएमसी कह रही है, 'राहुल को हटाओ, ममता बनर्जी को लाओ और भारत गठबंधन को बचाओ।' कांग्रेस के कई सहयोगी दल भी इसी तरह राहुल गांधी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश कर रहे हैं। इसलिए, न तो जनता राहुल गांधी के साथ है, न ही सहयोगी दल और गठबंधन के सदस्य उनके साथ हैं, न ही संगठन, और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी कांग्रेस और राहुल गांधी से दूरी बनाए हुए हैं। आज सुबह, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद मनन कुमार मिश्रा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी के वरिष्ठ सदस्य उनके नेतृत्व में घुटन महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ भूपेन कुमार बोराह की बात नहीं है; पार्टी के कई वरिष्ठ नेता घुटन महसूस कर रहे हैं। उन्हें फिलहाल कोई विकल्प नजर नहीं आ रहा; वे सभी राहुल गांधी का साथ छोड़ देंगे।

इंडिया एआई समिट 2026 में अव्यवस्था पर मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मांगी माफी, बोले- भीड़ अभूतपूर्व थी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। मंगलवार को इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भारत एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के पहले दिन हुई दिक्कतों के लिए लोगों से माफी मांगी। इस सम्मेलन को दुनिया के सबसे बड़े कृत्रिम बुद्धिमत्ता सम्मेलनों में से एक बताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में लोगों की उपस्थिति अभूतपूर्व थी। उन्होंने आगे कहा कि सरकार खुले विचारों वाली है और उपयोगकर्ताओं को बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए सुझावों पर विचार करने को तैयार है।

कार्यक्रम में बढ़ती दिलचस्पी के कारण अत्यधिक भीड़भाड़ को लेकर ऑनलाइन हो रही आलोचनाओं का जवाब देते हुए वैष्णव ने कहा कि आज शिखर सम्मेलन में 70, 000 से अधिक लोग शामिल हुए हैं और आगंतुकों, गणमान्य व्यक्तियों और प्रदर्शकों के बीच उत्साह स्पष्ट रूप से महसूस किया जा रहा है। उन्होंने दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह दुनिया का सबसे बड़ा एआई शिखर सम्मेलन है। प्रतिक्रिया अभूतपूर्व रही। उत्साह स्पष्ट रूप से महसूस किया जा रहा है। हम देख सकते हैं कि अब आयोजन बहुत सुचारू रूप से चल रहा है। यदि किसी को कल कोई समस्या हुई हो, तो हम उसके लिए क्षमा चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि आपकी जो भी प्रतिक्रिया हो, कृपया हमारे साथ साझा करें। हम खुले विचारों वाले हैं। हम आप सभी के लिए इस अनुभव को और भी सुगम और सुखद बनाने का प्रयास करेंगे। हमारे पास एक रणनीतिक बैठक कक्ष है जो कल से ही कार्यरत है। मेरी पूरी टीम इस शिखर सम्मेलन के लिए दिन-रात कड़ी मेहनत कर रही है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मुझे लगता है कि डीपफेक पर सख्त नियमन की जरूरत है। यह समस्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। हमें अपने समाज को इस नुकसान से बचाना होगा। हमने इस विषय पर उद्योग जगत के साथ बातचीत शुरू कर दी है।

वैष्णव ने कहा कि चाहे वह नेटफ्लिक्स हो, यूट्यूब हो, मेटा हो या एक्स, सभी को भारत के संविधान के दायरे में रहकर ही काम करना होगा। उन्होंने कहा कि हम 'एआई का यूपीआई' बनाएंगे, जो भरोसेमंद समाधानों का एक समूह होगा और इसे यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा, जिस पर लोग अपने प्रोजेक्ट बना सकेंगे। उन्होंने कहा कि अब तक, आने वाले दो वर्षों में, हमें एआई स्टैक की पांचों परतों में 200 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश देखने को मिलना चाहिए।

मुंबई की सड़कों पर फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों की मॉर्निंग जॉग

मुम्बई **(एजेंसी)**। भारत दौरे पर आए फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मंगलवार सुबह अपनी फिटनेस दिनचर्या से मुंबई वासियों को चौंका दिया। फ्रांस के राष्ट्रपति को सुबह-सुबह सुरक्षा दस्ते के साथ शहर में मॉर्निंग जॉग करते देखा गया। नेवी ब्लू टी-शर्ट और काले चश्मे में मैक्रों ने यह साफ कर दिया कि व्यस्त कूटनीतिक कार्यक्रम के बावजूद फिटनेस से कोई समझौता नहीं। जॉगिंग के दौरान सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही, लेकिन आम लोगों और मीडिया को लेकर किसी तरह की अव्यवस्था नहीं हुई। विदेशी दौरे पर रहते हुए भी नियमित व्यायाम करने की उनकी आदत ने सोशल मीडिया पर भी खासा ध्यान खींचा।

इसी दिन एक भावुक क्षण में राष्ट्रपति मैक्रों और उनकी पत्नी ब्रिगिट मैक्रों ने 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की। 26/11 के नाम से कुख्यात इस हमले में 10 जवानों ने चार दिनों तक मुंबई को दहला दिया था, जिसमें 166 लोगों की जान गई और 300 से ज्यादा घायल हुए थे। भारत की अपनी चौथी यात्रा पर आए मैक्रों का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-फ्रांस संबंधों को नई ऊंचाई तक ले जाने की पैदल यात्रा कराई। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा कि दोनों देशों के बीच रक्षा, व्यापार, तकनीक और वैश्विक सहयोग को और मजबूत किया जाएगा। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस यात्रा के दौरान दोनों नेता 'ईयर ऑफ इनोवेशन 2026' की औपचारिक शुरुआत करेंगे, जिससे भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को नई गति मिलेगी। बातचीत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्वच्छ ऊर्जा, रक्षा और उभरती तकनीकों पर विशेष फोकस रहेगा।

पड़ोसी मुल्क नेपाल के कपिलवस्तु जिले में एक साथ तीन जगह संदिग्ध वस्तुएं बरामद

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के पडोसी मुल्क नेपाल देश के कपिलवस्तु जिले में एक ही समय पर तीन अलग-अलग स्थानों पर संदिग्ध वस्तुएं मिलने से कपिलवस्तु जिले की सुरक्षा व्यवस्था और अधिक संवेदनशील हो गई है। सुरक्षा स्रोतों के अनुसार विभिन्न स्थानों पर संदिग्ध वस्तुएं मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क अवस्था में हैं।जानकारी के मुताबिक कपिलवस्तु जिले के हुलाकी राजमार्ग के अंतर्गत बर्गदी पुल के पास एक छोटा टिन का डिब्बा बरामद हुआ है। इसी तरह पूर्व-पश्चिम राजमार्ग के ड्राईनाला क्षेत्र के पास एक हुक्स बम बरामद किया गया है जिसकी पुष्टि हो चुकी है।इसके अलावा बनकसबासा के निकट तार से पैक किया हुआ पीले रंग का एक संदिग्ध वस्तु भी मिला है।एक साथ तीन स्थानों पर संदिग्ध वस्तुएं मिलने के बाद आगामी चुनाव को ध्यान में रखते हुए जिले में सुरक्षा चुनौती बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद स्थानीय निवासियों, मतदाताओं और संबंधित पक्षों में भय और चिंता का माहौल है।सुरक्षा एजेंसियों ने घटनास्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है और संदिग्ध वस्तुओं को निष्क्रिय करने तथा मामले की जांच प्रक्रिया आगे बढ़ाने की जानकारी दी है।

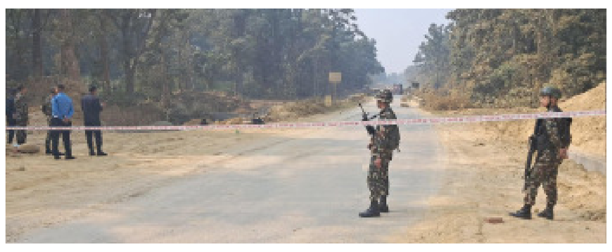

सीडीओ की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा बैठक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के सिद्धार्थ सभागार में मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन के कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने बैठक में उपस्थित जल निगम कार्यालय के अधिकारियों व जल जीवन मिशन के कार्यदायी संस्थावार प्रगति की जानकारी प्राप्त की गयी। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निर्माण कार्य में धीमी प्रगति पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जनपद में कार्यदायी संस्था मेघा, जैक्शन तथा बीएसई इन्फ्रा को मैनपावर बढ़ाकर शीघ्र निर्माण कार्य में प्रगति लाकर गुणवत्तापूर्ण कराने का निर्देश दिया साथ ही साथ सभी घरों में कनेक्शन पहुचाने का निर्देश दिया। जल जीवन मिशन, हर घर जल योजना जो जनता को पीने हेतु स्वच्छ जल अत्यन्त ही महत्वपूर्ण है। गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कमी नही होनी चाहिए जो कार्य ग्रामो में एजेंसियो द्वारा कराया जा रहा है। गांवो में शिकायत मिली है कि पाइप जमीन में डालते समय गड्ढे खोदकर छोड़ दिये गये है और इंटरलांकिग संड़को को भी खोद दिया गया है इसे मानक के अनुरूप ठीक कराने का निर्देश दिया। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी कार्यदायी संस्थाओ के प्रोजेक्ट मैनेजरो को निर्देश दिया कि अपने-अपने लक्ष्य के सापेक्ष कार्य में प्रगति लाकर लक्ष्य पूर्ण करें। यह सरकार की प्राथमिकता की योजना है। शासनादेश के अनुसार जल जीवन मिशन योजना में हर घर जल का कनेक्शन शत-प्रतिशत पूर्ण होने एवं ग्राम पंचायत कमेटी द्वारा सभी कार्य पूर्ण होने के पश्चात ही हैण्डओवर किया जायेगा। संबधित एजेंसी द्वारा जितने प्रोजेक्टो का कार्य जनपद में कर रही है उस कार्य के पूर्ण होने के उपरान्त 10 वर्षो तक देखरेख एवं संचालन एजेंसी द्वारा किया जायेगा। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिया कि जहां निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है वहां पानी की सप्लाई सुनिश्चित करायें। सभी कार्यो का थर्ड पार्टी द्वारा सत्यापन कराने का निर्देश दिया।

इस बैठक में उपरोक्त के अतिरिक्त अधिशासी अभियन्ता जल निगम संजय जायसवाल, जिला पंचायत राज अधिकारी वाचस्पति झा, कार्यदायी संस्थाओं के प्रोजेक्ट मैनेजर तथा अन्य संबधित कर्मचारी उपस्थित थे।

पुलिस और एसएसबी की टीम ने बार्डर पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए किया पैदल गस्त

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के भारत नेपाल सीमा पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में आगामी त्योहार होली व रमजान आदि के दृष्टिगत जनपद मे सतर्कता एवं सुरक्षा को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में मयंक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ द्वारा थानाक्षेत्र शोहरतगढ़ के भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय बार्डर खुनुवा में शोहरतगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह की टीम व एसएसबी की संयुक्त टीम के साथ पैदल गस्त किया गया तथा आम जनमानस मे सुरक्षा का एहसास कराया गया। पुलिस क्षेत्राधिकारी मयंक द्विवेदी ने सुरक्षा बलों को बार्डर पर सतर्क रहने का निर्देश दिया।

तहसील मंझनपुर में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर हेतु प्री कैम्प संपन्न

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा तहसील मंझनपुर परिसर में प्री कैम्प का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य जिले के निर्धन, निर्बल, दिव्यांग, महिलाओं और श्रमिकों को सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना तथा पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करना रहा। शिविर सुबह 10:00 बजे से अपरान्ह 3:00 बजे तक चला, जिसमें कुल 421 लोग लाभान्वित हुए।

ज्ञात हो कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव आस्था मिश्रा ने बताया कि 22 फरवरी 2026 को जनपद न्यायालय परिसर में आयोजित होने वाले मेगा शिविर से पूर्व सभी तहसीलों में इन प्री-कैंपों के माध्यम से पात्रों का चयन किया जा रहा है।

सचिव ने तहसील मंझनपुर पहुँचकर आकस्मिक निरीक्षण किया और लाभार्थियों से संवाद कर उनकी समस्याएँ सुनीं। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी मंझनपुर ए पी वर्मा और तहसीलदार सिद्धांत कुमार उपस्थित रहे। शिविर में समाज कल्याण, शिक्षा, कृषि, और स्वास्थ्य सहित दर्जनों विभागों ने स्टाल लगाए। अनुपस्थित रहने वाले विभागों पर सचिव ने आपत्ति जताई। कार्यक्रम को सफल बनाने में चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल अमित कुमार मिश्रा व अन्य अधिवक्ताओं का सहयोग रहा।

भाजपा जिलाध्यक्ष का व्यापारियों ने किया भव्य स्वागत

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष निर्वाचित होने पर धर्मराज मौर्य का राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन द्वारा नगर पंचायत चरवा में भव्य स्वागत किया गया। संगठन अध्यक्ष अरविंद केसरवानी की अगुवाई में सैकड़ों व्यापारियों ने फूल-मालाओं के साथ उनका अभिनंदन किया। इस दौरान व्यापारियों में भारी उत्साह देखने को मिला। जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने व्यापारियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार व्यापारियों की सुरक्षा और सम्मान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि आज व्यापारी भयमुक्त होकर अपना व्यापार कर रहे हैं और माफिया या तो जेल में हैं या प्रदेश से बाहर। संगठन के जिलाध्यक्ष अरविंद केसरवानी ने नगर की समस्याओं से अवगत कराते हुए धर्मराज मौर्य को सफल कार्यकाल की शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम में सुरेंद्र कुमार रिंकू, राजकुमार केसरवानी, नीरज बनारसी और राकेश साहू सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन और व्यापारी उपस्थित रहे।

ट्रेन की चपेट में आने से किशोरी की दर्दनाक मौत, परिवार में मचा कोहराम

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। चरवा थाने के दालियानपुर गांव में सोमवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में किशोरी की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। जानकारी मिलने के बाद परिजन रोते बिलखते बदहवास हालत में घटनास्थल पर पहुंचे। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। किशोरी की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। दालियानपुर निवासी राधेश्याम पासी की सत्रह वर्षीय बेटी शुभांशी सोमवार सुबह घर से खेत की ओर जा रही थी, इसी दौरान रेलवे लाइन पार करते समय डाउन लाइन पर आ रही ट्रेन की चपेट में आ गई।

ज्ञात हो कि हादसा इतना अचानक हुआ कि किशोरी संभल नहीं सकी और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन रोते बिलखते बदहवास हालत में घटनास्थल पर पहुंचे। मौके पर पहुंचे लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची चरवा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

परिजनों के मुताबिक शुभांशी पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से अस्वस्थ रहती थी और उसे सुनने में भी दिक्कत थी। इस सम्बन्ध में इंस्पेक्टर महेश सिंह का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

होली एवं रमजान को लेकर पीस कमेटी की बैठक, शांति भंग करने वालों पर होगी कार्रवाई

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। स्थानीय थाने में सोमवार को पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान थाना प्रभारी राजेंद्र प्रसाद वर्मा ने कहा कि होली और रमजान पर सौहार्द्र बनाए रखें। उन्होंने ग्राम प्रधानों, बीडीसी सदस्यों और समाजसेवियों से त्योहार पर आने वाली समस्याओं की जानकारी भी ली।

ज्ञात हो कि थाना प्रभारी ने कहा कि किसी भी तरह की कोई समस्या आती है तो इसकी जानकारी पुलिस को दी जाए। पुलिस सभी समस्याओं का समाधान करेगी और शांति भंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में एसआई राजकुमार गौतम, राजेश कुमार यादव, ग्राम प्रधान रियाज अहमद, रवि कुमार, गड़डू यादव, राजकिशोर पांडेय आदि उपस्थित रहे।

परमार्थ निकेतन में माँ गंगा के प्रति जागरूकता और आरती प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारम्भ

आस्था के साथ स्वच्छता, आरती के साथ जिम्मेदारी, भक्ति के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश

मंत्र भारत संवाददाता

ऋषिकेश। आज परमार्थ निकेतन में माँ गंगा के प्रति जनजागरूकता एवं गंगा आरती प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

यह विशेष कार्यशाला नमामि गंगे, जल शक्ति मंत्रालय तथा परमार्थ निकेतन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई, जिसमें गंगा तट पर स्थित पाँच राज्यों से आये पुरोहितगण, नमामि गंगे के अधिकारी, गंगा संरक्षण कार्यकर्ता एवं परमार्थ निकेतन सेवा टीम के ने सहभागिता की।

परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष, स्वामी चिदानन्द सरस्वती और साध्वी भगवती सरस्वती के पावन सान्निध्य में पुरोहितों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारम्भ किया। इसका उद्देश्य गंगा आरती को धार्मिक अनुष्ठान के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और जनजागरूकता का सशक्त माध्यम बनाना है, ताकि श्रद्धा के साथ जिम्मेदारी का भाव भी समाज में जागृत हो सके।

इस अवसर पर पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने कहा कि माँ गंगा केवल एक नदी नहीं, बल्कि भारत की संस्कृति, आस्था और जीवन का आधार है। माँ गंगा से हमारी सभ्यता, कृषि, अर्थव्यवस्था और अध्यात्म सब कुछ जुड़ा है। यदि गंगा निर्मल है तो भारत स्वस्थ व सुरक्षित है, यदि गंगा प्रदूषित है तो हमारी प्रगति अधूरी है। उन्होंने कहा, 'गंदगी और बंदगी एक साथ नहीं चल सकते। माँ गंगा की आरती तभी सार्थक है जब तट स्वच्छ हों, जल निर्मल हो और हर श्रद्धालु पर्यावरण संरक्षण का संकल्प ले।'

उन्होंने कहा कि गंगा आरती के दौरान स्वच्छता, प्लास्टिक मुक्त जीवन, जैविक पूजा सामग्री और नदी संरक्षण का संदेश दिया जाए तो यह जनआंदोलन का रूप ले सकता है। इस अवसर पर उन्होंने परमार्थ निकेतन गंगा तट पर 1997 में विधिवत शुरू की गंगा आरती की स्मृतियों को साझा करते हुये कहा कि आरती केवल दीपदान न होकर जागरण का दीप बने, यही इस कार्यशाला का लक्ष्य है।

कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को पर्यावरण अनुकूल आरती आयोजन, अपशिष्ट प्रबंधन, प्लास्टिक मुक्त तट, जैविक दीपों का उपयोग, तथा श्रद्धालुओं को प्रेरित करने के प्रभावी तरीकों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। परमार्थ गुरूकुल के आचार्य व ऋषिकुमारों द्वारा वैदिक मंत्रों का उच्चारण, विधिवत आरती आदि का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

नमामि गंगे के अधिकारी दुर्गेश ने कहा कि परमार्थ निकेतन की गंगा आरती विश्व विख्यात है। यहां से पुरोहितों को 'गंगा दूत' के रूप में तैयार किया जा रहा है ताकि वे समाज में स्वच्छता और संरक्षण का संदेश घर-घर तक पहुँचा सकें।

इस पहल का एक महत्वपूर्ण पक्ष आस्था और अर्थव्यवस्था का समन्वय भी है। स्वच्छ और सुंदर गंगा तट पर्यटन को बढ़ावा देते हैं, स्थानीय समुदायों को रोजगार प्रदान करते हैं तथा क्षेत्रीय विकास को गति देते हैं। सभी पुरोहितों को सामूहिक संकल्प कराया गया कि वे माँ गंगा की स्वच्छता और अविरलता के लिए सक्रिय रूप से कार्य करेंगे तथा आरती को पर्यावरण चेतना का माध्यम बनाएंगे। इस अवसर पर दुर्गेश जी, नमामि गंगे, गंगा नन्दिनी, वन्दना शर्मा, राकेश रोशन, उमा, आचार्य संदीप शास्त्री, आचार्य दिलीप, आचार्य दीपक शर्मा, आशीष, गंगा तट एवं गंगा बेसिन से जुड़े पाँच प्रमुख राज्यों, उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड एवं पश्चिम बंगाल से आये पुरोहितगण एवं गंगा संरक्षण से जुड़े कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की।

गैंगस्टर एक्ट से संबन्धित इनामिया वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के आदेशा के क्रम में अपराध एवं अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत, प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल पर्यवेक्षण व बृजेश कुमार वर्मा क्षेत्राधिकारी डुमरियागजं के निर्देशन में बृजेश सिंह थानाध्यक्ष भवानीगंज व मय टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 09/2026 धारा 2(ख)(17) व 3(1) यू0पी0 गैंगेस्टर एक्ट-1986 से सम्बन्धित ?25, 000/- का इनामिया वांछित रफीउल्लाह कुरैशी उर्फ अतीकुल्लाह कुरैशी पुत्र कल्लू कुरैशी निवासी ग्राम जबजौआ थाना डुमरियागंज को रात्रि को सरयू नहर पुल बिथरिया के पास से उप निरीक्षक राजेन्द्र प्रसाद, हेड कांस्टेबल विजय गुप्ता, कांस्टेबल सिद्धार्थ सिंह, कांस्टेबल अनीत वर्मा द्वारा गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर न्यायालय भेजा गया।

अपना सबसे बड़ा ग्लोबल ब्रांड रिफ्रेश लेकर आया लेज

वाराणसी। पेप्सिको के पसंदीदा आलू चिप्स ब्रांड लेज ने भारत में अपनी रिफ्रेश्ड ब्रांड आइडेंटिटी को लॉन्च करने का एलान किया है। करीब 100 साल के इतिहास में सबसे बड़े ग्लोबल ब्रांड रिफ्रेश के तहत भारत में लेज के इस फ्रेश अवतार को ब्रांड एंबेसडर रणबीर कपूर के साथ नए कैंपेन लेज के लिए कुछ भी के माध्यम से पर्दे पर लाया जाएगा। कृषि के क्षेत्र में लेज की विरासत को केंद्र में रखकर तैयार इस रिफ्रेश्ड आइडेंटिटी में ब्रांड की उसी खूबी का जश्न मनाया जाएगा, जो ब्रांड की पहचान है।

विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 03417/03418 मालदा टाउन-उधना जं. विशेष रेलगाड़ी

03417 मालदा टाउन-उधना जं.			03418 उधना जं.-मालदा टाउन	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	12:15	मालदा टाउन	05:55	--
02:00	02:05	प्रयागराज छिवकी	11:25	11:30
06:30	06:32	मानिकपुर	09:18	09:20
02:15	--	उधना जं.	--	12:30

मालदा टाउन से- गाड़ी सं. 03417 (शनिवार) दिनांक- 28.02.2026 तथा 07.03.2026, 14.03.2026 एवं 21.03.2026 तथा उधना जं. से- गाड़ी सं. 03418 (सोमवार) दिनांक- 02.03.2026, 09.03.2026 16.03.2026 एवं 23.03.2026

संरचना: वाता. तृतीय श्रेणी-04, स्लीपर श्रेणी-10, सामान्य श्रेणी-06

नोट : ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 361/26 FA

शिवधात्री ने जीता दर्शकों का दिल

प्रयागराज। ज़ी टीवी का पॉपुलर शो जगद्धात्री इन दिनों अपने लीड कपल शिवाय और जगद्धात्री को लेकर खूब चर्चा में है। शिवाय (फरमान हैदर) और जगद्धात्री (सोनाक्षी बत्रा) की जोड़ी, जिसे फैंस प्यार से रुशिवधात्री कह रहे हैं, दर्शकों के बीच जबर्दस्त पसंद की जा रही है। इस नई जोड़ी को मिल रहा प्यार और तारीफ इसे हाल के सबसे चर्चित ऑन-स्क्रीन कपल्स में शामिल कर रहा है। फरमान हैदर और सोनाक्षी बत्रा दोनों ने रुशिवधात्री को मिल रहे प्यार के लिए दर्शकों का दिल से शुक्रिया अदा किया है। क्या शिवाय और जगद्धात्री अपने मिशन में कामयाब हो पाएंगे और क्या जगद्धात्री कभी शिवाय से प्यार करेगी? जानने के लिए देखते रहिए 'जगद्धात्री', रोज रात 10 बजे, सिर्फ ज़ी टीवी पर।

किसानों ने विभिन्न मांगों को लेकर डायट मैदान में दिया धरना, सौंपा ज्ञापन

कौशाम्बी। मुख्यालय स्थित डायट मैदान में सोमवार को भारतीय किसान यूनियन (अम्बावता) के बैनर तले किसानों ने विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। इसके बाद जिलाध्यक्ष नरेंद्र कुमार पांडेय की अगुवाई में राष्ट्रपति को सम्बोधित विभिन्न मांगों का ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट आकाश सिंह को सौंपा। सौंपे गए ज्ञापन में लगातार बढ़ती खेती की लागत, डीजल-खाद-बीज के दामों में वृद्धि और फसलों का उचित मूल्य न मिलने से किसान आर्थिक संकट से जूझ रहा है। इसके अलावा देशभर के किसानों की कर्जमाफी, उत्तर प्रदेश में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को 5000 प्रतिमाह वृद्धावस्था पेंशन देने, शिक्षा व चिकित्सा को पूर्णतः निःशुल्क करने तथा एमएसपी को कानूनी दर्जा देने की प्रमुख मांगें शामिल रहीं। अतिरिक्त एसडीएम ने ज्ञापन को शासन तक भेजने का आश्वासन दिया।

एएम समूह ने उत्तर प्रदेश में शुरू की गीगावाट स्तर के एआई कंप्यूट हब की निर्माण प्रक्रिया

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। ग्रीनको समूह के संस्थापकों द्वारा समर्थित प्रमुख ऊर्जा संक्रमण प्लेटफॉर्म, एएम समूह ने अपनी विशाल एआई परियोजना की निर्माण प्रक्रिया शुरू कर दी है। गौरतलब है कि एएम समूह ने 20 जनवरी 2026 को स्विट्जरलैंड के दावोस में उत्तर प्रदेश सरकार की संस्था इन्वेस्ट यूपी के साथ एक (1) गीगावाट के उच्च प्रदर्शन वाले कंप्यूट हब बनाने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया था।

कार्यालय ग्राम पंचायत चकभानपुर उर्फ चकिया वि0खं0–बहरिया,जनपद

वित्तीय वर्ष 2025–26 में ग्राम पंचायत चकभानपुर उर्फ चकिया में मनरेगा/राज्यवित्त/केन्द्रीयवित्त/चौदहवां वित्त के अधीन प्रस्तावित निम्न कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति पंजीकृत फर्मो से दिनांक 18–02–2026 से 10/03/2026 तक निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा दिनांक 10/03/2026 को 03.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय पर निविदाताओं एवं ग्राम पंचायत अधिकारी के समक्ष खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	सामग्री आपूर्ति से अवधि	आपूर्ति की जाने वाली सामग्री का नाम
1	नन्दलाल के घर से बलीराम के घर तक पक्की नाली	1.68 लाख	1 माह	ईट, बालू, सीमेन्टड ईट, सरिया, सीमेंट, गिट्टी आदि
2	पक्की सडक से रईस अहमद के घर तक इण्टरलाकिंग	2.78 लाख	1 माह	ईट, बालू, सीमेन्टड ईट, सरिया, सीमेंट, गिट्टी आदि
3	अशोक सिंह के घर से सत्यराम के मशीन तक इण्टरलाकिंग	3.91 लाख	1 माह	ईट, बालू, सीमेन्टड ईट, सरिया, सीमेंट, गिट्टी आदि

नियम एवं शर्ते–:

1. सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के निर्देशानुसार निर्धारित समयाविधि के अन्तर्गत की जाने को अनिवार्य होगी।
2. सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नही पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी।
3. निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी का होगा।

नोट– निविदा सम्बन्धी अधिक जानकारी निविदादाता कार्यालय ग्राम पंचायत चकभानपुर उर्फ चकिया विकास खण्ड–बहरिया जनपद–प्रयागराज से प्राप्त कर सकते हैं।

ग्राम प्रधान
ज्ञान चन्द्र पटेल

इन्द्र विजय यादव
ग्राम पंचायत अधिकारी
ग्रा0पं0–चकभानपुर उर्फ चकिया
विकास खण्ड– बहरिया

पत्रांक–मैमो कार्यालय ग्राम पंचायत 2025–26 दिनांक 18–02–2026, प्रयागराज

पाण्डेश्वर नाथ धाम पण्डिला महादेव में तीन दिवसीय महाशिवरात्रि मेले का समापन

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। थाना क्षेत्र स्थित पांडेश्वर नाथ धाम पण्डिला महादेव में आयोजित तीन दिवसीय महाशिवरात्रि मेले का विधिवत समापन हुआ। समापन अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा।कार्यक्रम के दौरान पाण्डेश्वर नाथ धाम के महंत अखिलेश गिरि एवं पुजारी विवेक गिरि को सम्मान स्वरूप अंगवस्त्र भेंट किया गया। वहीं मेला अध्यक्ष विनीत बंसल और जिला पंचायत सदस्य विजय कुमार को ग्राम प्रधान तथा भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष महेन्द्र गिरि द्वारा अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह में सुशील मिश्रा, प्रकाश शुक्ला, संतोष पटेल, सुरेन्द्र, बृजेश यादव पटेल, विपिन यादव, प्रमोद यादव, रिंकू, भोले गिरि, बृजेश तिवारी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।समापन अवसर पर आयोजकों ने मेले के सफल संचालन में सहयोग करने वाले प्रशासन, पुलिस और क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया। तीन दिनों तक चले इस मेले में दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक और पूजन कर सुख-समृद्धि की कामना की।

जमीनी विवाद में सगे भाई भिड़े

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। थाना क्षेत्र के बसमहुआ गांव में मंगलवार दोपहर जमीनी विवाद को लेकर दो सगे भाइयों के बीच कहासुनी गाली-गलौज और हाथापाई हो गई। घटना से गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को समझने का प्रयास किया बात ना मानने पर पुलिस दोनों भाइयोंबृजभान यादव और राजबहादुर यादव–को पूछताछ के लिए थाने उठा लाई है।पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

यूपी बोर्ड के हाईस्कूल, इण्टर की परीक्षाएं आज से हाईस्कूल में 2761696, इंटर में 257682 परीक्षार्थी होगे शामिल

8033 परीक्षा केन्द्रों पर होगी परीक्षा, 20 सेण्टरों पर लगेगे जैमर, 18 जिलों में 222 अति संवेदनशील, 683 संवेदनशील परीक्षा केंद्र

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। एशिया की सबसे बड़ी परीक्षा संस्था माध्यमिक शिक्षा परिषद यानि यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं बुधवार 18 फरवरी बुधवार से प्रदेश के 8033 परीक्षा केन्द्रों पर होने जा रही है जो 12 मार्च तक चलेंगी। यूपी बोर्ड की 2026 की परीक्षा में हाईस्कूल के 27 लाख 61 हजार 696 और इंटरमीडिएट के 25 लाख 76 हजार 82 को मिलाकर 53 लाख 37 हजार 778 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। 20 परीक्षा केन्द्रों पर जैमर लगेगा। यूपी बोर्ड ने नकल विहीन, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से परीक्षा के लिए व्यापक तौर पर इंतजाम किए हैं।

यूपी बोर्ड की परीक्षाएं दो पालियों सुबह 8:30 बजे से 11:45 बजे और शाम 2:00 बजे से 5:15 बजे तक आयोजित होंगी। हाई स्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं 15 कार्य दिवसों में संपन्न कराई जाएंगी जबकि यूपी बोर्ड की 2025 की परीक्षा में 54 लाख 38 हजार 597 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। हाईस्कूल में 27 लाख 40 हजार 151 और इंटरमीडिएट में 26 लाख 98 हजार 446 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। 2025 की बोर्ड परीक्षा में कुल 8140 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

वहीं यूपी बोर्ड की- 2026 की परीक्षाएं पूरे प्रदेश में 8033 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होने जा रही हैं। सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी की निगरानी रहेगी और केंद्र व्यवस्थापकों की जवाबदेही तय की गई है। स्थानीय प्रशासन को भी सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए हैं। नकल माफियाओं और अव्यवस्था फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

इनमें आगरा, मथुरा, अलीगढ़, हाथरस, एटा, कासगंज, प्रयागराज, कौशांबी, प्रतापगढ़, हरदोई, कन्नौज, आजमगढ़, बलिया, मऊ, जौनपुर, गाजीपुर, देवरिया और गोंडा शामिल है। इन जिलों में कुछ विषयों और तिथियों को अधिक संवेदनशील मानते हुए विशेष निगरानी और कड़े प्रशासनिक इंतजाम किए जा रहे हैं। यूपी बोर्ड ने 18 जिलों में 222 अति संवेदनशील और 683 संवेदनशील परीक्षा केंद्र चिन्हित किए हैं। अति संवेदनशील 20 परीक्षा केंद्रों पर जैमर लगाए जाएंगे। नकल रोकने के लिए पुलिस और यूपीएसटीएफ से भी मदद मांगी गई है। अति संवेदनशील और संवेदनशील परीक्षा केंद्रों की हर दिन कम से कम दो बार चेकिंग कराई जाएगी। नकल करते पकड़े जाने पर परीक्षार्थी के खिलाफ विभाग के नियमों के अनुसार कार्यवाही की जाएगी और उसे एक साल के लिए परीक्षा से डिबार किया जाएगा। जबकि शिक्षक, प्रबंधन या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नकल करते पकड़े जाने पर 2024 के यूपी सरकार के नकल विरोधी कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिसमें 7 साल की सजा और एक करोड़ जुर्माने तक का प्रावधान किया गया है।

यूपी बोर्ड ने नकल रोकने के लिए इस बार कॉपियों के लेआउट में भी बदलाव किया है। इसके अलावा हाई स्कूल और इंटरमीडिएट की कॉपियों के कलर भी चेंज किए हैं। खास बात यह है कि इस बार परीक्षार्थियों को हर पेज पर अनुक्रमांक दर्ज करना होगा।

यूपी बोर्ड ने 10वीं और 12वीं की परीक्षा को फुल प्रूफ बनाने के लिए इस बार परीक्षा केंद्रों पर कर्मचारियों को क्यू आर कोड युक्त पहचान पत्र जारी किया है। अब तक यूपी बोर्ड की ओर से कक्ष निरीक्षकों को तो परिचय पत्र जारी होते थे लेकिन अन्य कर्मचारियों के लिए ऐसी कोई व्यवस्था नहीं थी। परीक्षा केंद्रों में अनाधिकृत कर्मचारियों की उपस्थित रोकने के लिए इस तरह के कदम उठाए गए हैं।

माघ मेला में भिक्षावृत्ति उन्मूलन पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

दामोदर दास महाराज ने सामाजिक सुधार पर दिया जोर

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज के माघ मेला क्षेत्र स्थित संगम अपर महावीर चौराहा पर सती अनुसूइया के खालसा में माघ महोत्सव के विदाई समारोह के अवसर पर अंतरराष्ट्रीय भिक्षावृत्ति उन्मूलन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए संत ब्रह्मऋषि दामोदर दास महाराज ने कहा कि भारत आध्यात्मिक परंपराओं और साधना की भूमि है, जहां संतों और साधकों की तपस्या से समाज को दिशा मिलती रही है। उन्होंने कहा कि कलियुग में भी कर्म, साधना और सेवा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है।

दामोदर दास महाराज ने सामाजिक समरसता, कानून व्यवस्था और विशेष रूप से बाल भिक्षावृत्ति पर सख्त नियंत्रण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सरकार से संविधान के अनुरूप कठोर कानून लागू करने और प्रभावी निगरानी व्यवस्था स्थापित करने की मांग की। इस अवसर पर उन्होंने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि मजबूत शासन

व्यवस्था से ही देश की एकता और अखंडता सुरक्षित रह सकती है।

कार्यक्रम में परिवर्तन संस्था के प्रदेशाध्यक्ष मोनू गुप्ता सहित देवेंद्रदास, ओम दास, राघव दास, महावीर दास, गोविंद दास, गणेश दास, कैलाश दास, रघुनाथ दास, ज्योतिषी गोवर्धन दास, हरिदास, कृष्ण मोहन, राधा, गोविंद एवं ध्यान दास सहित अनेक संत-महात्मा और समाजसेवी उपस्थित रहे। संगोष्ठी का उद्देश्य समाज से भिक्षावृत्ति की प्रवृत्ति को समाप्त कर लोगों को आत्मनिर्भर बनाना, नैतिक मूल्यों को मजबूत करना तथा राष्ट्रहित में जागरूकता फैलाना रहा। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने सामाजिक सुधार और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

पण्डिला मेले में युवक की पिटाई, पसली की हड्डी टूटी

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। थाना थरवई क्षेत्र स्थित पांडेश्वर नाथ धाम में लगे पण्डिला महादेव मेले के दौरान एक युवक की पिटाई का मामला सामने आया है।जानकारी के अनुसार मौहरिया गांव निवासी 16 वर्षीय प्रिंस यादव पुत्र सुरेश यादव दर्शन-पूजन के बाद मेले में खरीदारी कर रहा था। इसी दौरान अज्ञात लोगों ने उस पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मारपीट में युवक के सीने की पसली की हड्डी टूट गई घायल अवस्था में परिजनों ने उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। पीड़ित प्रिंस यादव ने घटना के संबंध में थरवई थाने में लिखित तहरीर दी है।पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

शराब पीने के लिए पैसा नहीं दिया तो दबंग ने दुकानदार को मारपीट कर किया घायल

थरवई। थाना थरवई क्षेत्र के अडनपुर गांव में मंगलवार दोपहर शराब पीने के लिए पैसे की मांग किया दुकानदार ने पैसा देने से मना किया तो दबंग युवक ने सैलून संचालक की पिटाई कर दी। घटना में दुकानदार गंभीर रूप से घायल हो गया।जानकारी के अनुसार अडनपुर निवासी मोहम्मद लाल गांव के सामने सड़क पर सैलून की दुकान चलाता हैं। पड़ोसी गांव उदयचंद्रपुर का एक युवक उनकी दुकान पर पहुंचा और शराब पीने के लिए पैसे की मांग करने लगा। दुकानदार द्वारा पैसा देने से मना करने पर युवक आगबबूला हो गया और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी।हमले में मोहम्मद लाल गंभीर रूप से घायल हो गए।

विद्यालयों की उपलब्धियों, शैक्षिक गतिविधियों की दी जानकारी

यूपीएस कन्या हनुमानगंज में शिक्षक संकुल की हुई बैठक

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। यूपीएस कन्या हनुमानगंज में शिक्षक संकुल बैठक का आयोजन आज किया गया। संकुल के अंतर्गत आने वाले सभी विद्यालयों के शिक्षक बैठक में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ बच्चों द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ। इसके उपरांत 'मैं बेटी हूँ' गीत पर बालिकाओं द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुति दी गई, जिसकी सभी ने सराहना की।

बैठक में आए सभी प्रतिभागियों का इंचार्ज प्रधानाध्यापक हीरालाल कुशवाहा ने स्वागत किया। बैठक के प्रमुख एजेंडा पर विस्तृत चर्चा वंदना श्रीवास्तव ने किया। इसके पश्चात् इंद्रभान सिंह, पूनम, कंचन, निहारिका, सुधा, संजीव जी एवं रमेश गुप्ता ने अपने - अपने विद्यालयों की प्रमुख उपलब्धियों एवं शैक्षिक गतिविधियों की जानकारी साझा की गई। बैठक में कम्पोजिट विद्यालय हनुमानगंज, प्राथमिक विद्यालय यरना, प्राथमिक विद्यालय बिकापुर, प्राथमिक विद्यालय जुनैदपुर, प्राथिक विद्यालय लोढ़ा तथा यूपीएस कन्या हनुमानगंज के सभी शिक्षक उपस्थित रहे। आंगनबाड़ी से आई कार्यकर्त्री श्रीमती गमला सिंह ने भी अपनी कार्यशैली एवं आंगनबाड़ी केंद्र पर संचालित गतिविधियों के विषय में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में बताया गया कि आंगनबाड़ी के बच्चों के लिए विशेष शैक्षिक गतिविधियाँ संचालित की जाएँ, जिससे उनके सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित किया जा सके। बैठक सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

आकाश प्रयागराज के स्टूडेंट्स ने जेईई मेन में चमक दिखाई

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। अरुणव वेदांत अग्रहरी 99.96 परसेंटाइल के साथ सबसे आगे; कई स्टूडेंट्स ने शानदार तैयारी दी लगभग परफेक्ट ओवरऑल परसेंटाइल के साथ शानदार तैयारी दी और फिजिक्स और मैथेमेटिक्स में बिना किसी गलती के 99 परसेंटाइल हासिल किया, जिससे प्रयागराज और आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड को गर्व हुआ प्रयागराज, 17 फरवरी, 2026: प्रयागराज के आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के स्टूडेंट्स ने एक बार फिर जेईई मेन 2026 (सेशन 1) में शानदार तैयारी दी है, जो इस इलाके की लगातार एकेडमिक एक्सीलेंस को दिखाता है। 16 फरवरी को जारी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के एग्जाम के हिसाब से, प्रयागराज के आकाश इंस्टीट्यूट के स्टूडेंट्स ने जेईई मेन 2026 में शानदार तैयारी दी। अरुणव वेदांत अग्रहरी ने शानदार 99.96 परसेंटाइल के साथ ग्रुप में सबसे आगे रहे, उसके बाद आकर्ष माहेश्वरी ने 99.85 परसेंटाइल और अनुपम पाल ने 99.78 परसेंटाइल हासिल किया। उस्मान नूर ने 99.75 परसेंटाइल हासिल किया, जबकि आयुष ने 99.67 परसेंटाइल हासिल किया। आर्यन मिश्रा ने 99.55 परसेंटाइल और वेदांश राज श्रीवास्तव ने 99.45 परसेंटाइल हासिल किया। प्रत्यय मिश्रा ने 99.41 परसेंटाइल और अखंड प्रताप सिंह ने 99.37 परसेंटाइल हासिल किया। अमीषी मिश्रा ने 99.24 परसेंटाइल और

तनुश वर्मा ने 99.05 परसेंटाइल हासिल किया। राजित सिंह ने 98.58 परसेंटाइल और अधीप श्रीवास्तव ने 98.53 परसेंटाइल हासिल किया, जो जेईई मेन 2026 में प्रयागराज सेंटर की शानदार ओवरऑल रैंकिंग को दिखाता है। स्टूडेंट्स की कामयाबी पर कमेंट करते हुए, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के क्षेत्रीय निदेशक, धनंजय कुमार मिश्रा, ने कहा: 'प्रयागराज के हमारे स्टूडेंट्स के शानदार रिजल्ट्स एकेडमिक्स के प्रति उनकी मेहनत के साथ-साथ आकाश एजुकेशनल इकोसिस्टम की बढ़त का सबूत हैं। हमें उनकी कड़ी मेहनत पर बहुत गर्व है और हम उनकी कामयाबी के लिए उन्हें बधाई देते हैं। हम उनके आगे के कामों में लगातार कामयाबी की कामना करते हैं।' कई स्टूडेंट्स ने यह भी कहा कि सेल्फ-डिसिप्लिन, लगातार प्रैक्टिस, कड़ी ट्रेनिंग, समय पर मेंटरिंग और रेगुलर असेसमेंट से इनमें से कई स्टूडेंट्स को कामयाबी मिली। अपने स्ट्रक्चर्ड करिकुलम, एक क्वालिफाइड इंस्ट्रक्टर से गाइडेंस और रेगुलर सिम्युलेटेड टेस्ट देने के मौके से, उन्होंने अपनी पढ़ाई पर फोकस बनाए रखा, कमजोरियों को जल्दी ग्रेडिएंट्स, और अपनी मेहनत में लगातार सुधार किया। टैंईग, जिसमें साल में दो बार टेस्ट देने के मौके मिलते हैं, स्टूडेंट्स को अपने पिछले रिजल्ट को बेहतर बनाने का मौका देता है और यह वह तरीका है जिससे स्टूडेंट्स को सरकार द्वारा सपोर्टेड दूसरे इंस्टिट्यूट में एडमिशन मिल सकता है, साथ ही देने के लिए भी क्वालिफिकेशन किया जा सकता है, जो इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी में एडमिशन के लिए एंट्रेंस टेस्ट है। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के बारे में आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड भारत की लीडिंग टेस्ट तैयारी कंपनी है जो हाई-स्टेक्स मेडिकल और इंजीनियरिंग एंट्रेंस एग्जाम और ओलंपियाड जैसे कॉम्पिटिटिव एग्जाम की तैयारी करने वाले स्टूडेंट्स को पूरी और असरदार तैयारी सर्विस देने में माह है। पास पूरे भारत में 415 से ज़्यादा सेंटर का नेटवर्क है, जिसमें अभी 400, 000ह से ज़्यादा स्टूडेंट्स एनरोल्ड हैं और इसने पिछले 37 सालों में एक मजबूत मार्केट पोज़िशन और ब्रांड वैल्यू बनाई है। यह स्टूडेंट्स की असली क्षमता को बाहर लाने और उनके एकेडमिक कामों में सफलता पाने के लिए सबसे अच्छी क्वालिटी की टेस्ट तैयारी सर्विस देने के लिए कमिटेड है। टेस्ट की तैयारी के लिए स्टूडेंट-सेंट्रिक तरीका अपनाता है, यह मानते हुए कि हर स्टूडेंट अलग होता ह।

स्टडीआईक्यू ने प्रयागराज में नया केंद्र शुरू किया, यूपीएससी तैयारी के बड़े केंद्र के रूप में शहर की पहचान और मजबूत

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। स्टडीआईक्यू के इस बड़े और एकीकृत केंद्र के लॉन्च के साथ ही यह प्रयागराज में यूपीएससी के सबसे बड़े एकीकृत परिसरों में से एक बन गया है। ? वर्तमान में 700 से अधिक छात्र नामांकित हैं और अगले वर्ष 1, 100 से अधिक अतिरिक्त नामांकन का स्वागत करने की योजना है। ? लॉन्च के साथ ही, स्टडीआईक्यू ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के इच्छुक छात्रों के लिए 100इ छात्रवृत्ति की भी घोषणा की, जिनका चयन एक ऑफलाइन परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। प्रयागराजः एडटेक लीडर और अड्डा एजुकेशन की सहायक कंपनी स्टडीआईक्यू, जो यूपीएससी, पीसीएस और न्यायपालिका परीक्षा पाठ्यक्रमों में कार्यरत है, ने सिविल सेवा तैयारी के क्षेत्र में अपनी ऑफलाइन उपस्थिति को और मजबूत करते हुए प्रयागराज में अपने सबसे बड़े इंटीग्रेटेड यूपीएससी सेंटर की शुरुआत की है। यह कदम शहर को यूपीएससी और राज्य सेवा केंद्रों के लिए पसंदीदा केंद्र के रूप में उभरने को और व्यापक प्रदान करेगा। नए सेंटर का उद्घाटन स्टडीआईक्यू के सीईओ स्वप्निल त्रिपाठी ने छात्रों और सेंटर प्रबंधन के साथ किया, जिसके बाद क्षेत्रीय मीडिया के साथ बातचीत भी आयोजित की गई। उद्घाटन के अवसर पर स्टडीआईक्यू (स्टडीआईक्यू) के सीईओ स्वप्निल

त्रिपाठी ने कहा, 'प्रयागराज की समृद्ध शैक्षणिक परंपरा रही है और यहाँ से कई नौकरियों के प्रशासक और लोकसेवक निकले हैं।

सिविल सेवा तैयारी के बदलते स्वरूप के साथ यह आवश्यक है कि इंटर्नशिप-2 और इंटर्नशिप-3 शहरों के छात्रों को सख्त शैक्षणिक प्रशिक्षण, मजबूत मार्गदर्शन और सही एक्सपोजर मिले, जिसकी वजह से वह बड़े शहरों में पलायन करने के लिए मजबूर हुए। इसके अलावा स्थानीय शिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना आज समय की मांग हैं।' स्टडीआईक्यू (स्टडीआईक्यू) की मूल कंपनी अड्डा एजुकेशन (अड्डा एजुकेशन) के संस्थापक एवं सीईओ अनिल नागर ने कहा, 'कई वर्षों से कड़ी यूपीएससी की तैयारी कुछ चुनिंदा शहरों तक ही सीमित रही है, जिससे कई प्रतिभाशाली छात्रों की पहुँच बाधित होती है। हमारा ध्यान प्रयागराज जैसे शहरों में उच्च गुणवत्ता और परिणाम-समीक्षित शिक्षणवातावरण तैयार करने पर है, जहाँ पहले से ही प्रतिभा और आकांक्षा मौजूद है। यह विस्तार इस विश्वास को दर्शाता है कि अच्छी तैयारी तक पहुँच भूगोल पर निर्भर नहीं होनी चाहिए।' 5, 000 वर्ग फुट में फैला नया परिसर, मेंटरशिप स्पेस, टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और छात्र सहायता सुविधाओं को एक ही छत के नीचे लाता है।

इसे प्रयागराज के साथ-साथ पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार के आसपास के क्षेत्रों से आने वाले प्रयागराज की पीढ़ियों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है। स्टडीआईक्यू(स्टडीआईक्यू) ने प्रयागराज में अपनी ऑफलाइन नामांकन वर्ष 2025 की शुरुआत में शुरू की थीं और वर्तमान में 700 से अधिक छात्र यहां नामांकित हैं। अगले एक वर्ष में 1, 100 से अधिक नए प्रयागराज को जोड़ने की योजना है। सेंटर को 14 अनुभवी फैकल्टी सदस्य और एक समर्पित अकादमिक व छात्र सहायता टीम का समर्थन प्राप्त है। टेक्नोलॉजी का उपयोग गुणवत्ता नियंत्रण और निजीकरण को मजबूत करने के लिए किया जाता है, जिसमें केंद्रीकृत शैक्षणिक निगरानी औरींछ-आधारित मूल्यांकन उपकरण शामिल हैं, जो छात्रों को उत्तर लेखन पर विस्तृत लाभान्वित और कस्टम फिक्स्ड स्टडी प्लान प्रदान करते हैं।

कांग्रेस विधि विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष बने अविनाश

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। विधानसभा चुनाव 2027 के मद्देनजर संगठन की मजबूती पर जोर देने पर जुटी कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व प्रभारी अविनाश पाण्डेय एवं प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की लखनऊ में चल रही मैराथन बैठकों के बीच हाइकोर्ट के अधिवक्ता अविनाश कुमार वर्मा को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाये जाने से कार्यकर्ताओं और समर्थकों में हर्ष की लहर दौड़ गई है। उनके मनोनयन की खबर मिलते ही प्रदेश भर से बधाइयों का तांता लग गया।

पार्टी नेतृत्व द्वारा यह जिम्मेदारी सौंपे जाने पर कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि अविनाश कुमार वर्मा पूर्व में प्रांतीय संयोजक, मण्डल अध्यक्ष, जिला एवं शहर, प्रदेश उपाध्यक्ष एनएसयूआई, शहर उपाध्यक्ष आदि पदों रहे।

अपने अनुभव और संगठनात्मक क्षमता से विधि विभाग को नई मजबूती मिलेगी। उनके नेतृत्व में विभाग कानूनी मामलों में पार्टी का प्रभावी पक्ष मजबूती से रखेगा।

अविनाश कुमार वर्मा ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों के प्रति पूर्ण निष्ठा से कार्य करेंगे तथा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का प्रयास करेंगे।

इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि उनके मार्गदर्शन में विधि विभाग नई ऊंचाइयों को छुएगा।

एससीईआरटी के डायरेक्ट ने डायट, एसआईई का किया निरीक्षण, दिया जरूरी निर्देश

प्रशिक्षण को अधिक व्यवहारिक, विद्यालय केंद्रित शोध आधारित बनाने पर दें जोर : गणेश कुमार

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, प्रयागराज (डायट) तथा राज्य शिक्षा संस्थान, प्रयागराज का औपचारिक निरीक्षण राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, लखनऊ के निदेशक गणेश कुमार, प्राचार्य एवं उप शिक्षा निदेशक राजेंद्र प्रताप के निर्देशन एवं समन्वय में संपन्न हुआ। परीक्षा नियामक प्राधिकारी के सचिव अनिल भूषण चतुर्वेदी भी उपस्थित रहे । निरीक्षण का उद्देश्य संस्थानों में संचालित शैक्षिक एवं प्रशिक्षण गतिविधियों की गुणवत्ता का आकलन करना तथा सेण्टर आफ एक्सीलेंस के अंतर्गत विकसित अवसंरचनात्मक एवं शैक्षणिक संसाधनों का अवलोकन करना था।

इस दौरान निर्मित भवनों, प्रशिक्षण कक्षों, आवासीय व्यवस्थाओं, शैक्षिक संसाधनों एवं प्रशिक्षण वातावरण का विस्तृत निरीक्षण किया गया। निदेशक गणेश कुमार ने शैक्षिक पर्यवेक्षण के अंतर्गत सभी प्रवक्ताओं द्वारा संपादित कार्यों, प्रशिक्षण मॉड्यूल, पाठ्य सामग्री निर्माण, नवाचारात्मक प्रयोगों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा की। उन्होंने प्रशिक्षण को अधिक व्यवहारिक, विद्यालय- केंद्रित एवं शोध-आधारित बनाने पर बल दिया। कला शिक्षा के अंतर्गत सृजनात्मक गतिविधियों, स्थानीय सांस्कृतिक तत्वों के समावेशन तथा कार्यानुभव आधारित शिक्षण की सराहना की गई। शारीरिक शिक्षा कार्यक्रमों में विद्यार्थियों के समग्र विकास, स्वास्थ्य चेतना, योग एवं खेलगत, गतिविधियों को महत्वपूर्ण बताया गया।

निरीक्षण के दौरान निदेशक गणेश कुमार ने सभी प्रवक्ताओं एवं शैक्षिक कार्मिकों को टीमवर्क की भावना से कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने प्रत्येक

विषय के अनुसार जनपद स्तर पर विषय - विशेष समूह गठित करने पर जोर दिया, ताकि शिक्षकों के मध्य सतत संवाद, शैक्षणिक नवाचारों का आदान-प्रदान तथा समस्याओं का सामूहिक समाधान संभव हो सके और शिक्षण व्यवस्था अधिक गुणात्मक बन सके।

निदेशक ने जनपद स्तरीय ओलंपियाड प्रतियोगिता में सम्मिलित प्रशिक्षुओं के अधिगम स्तर की भी सराहना की। उन्होंने अधिकतम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी की उत्तरपुस्तिका का अवलोकन करते हुए उनकी लेखन शैली, विषय की समझ एवं गुणवत्तापूर्ण प्रस्तुतीकरण की प्रशंसा की तथा इसे प्रभावी प्रशिक्षण का सकारात्मक परिणाम बताया। प्राचार्य राजेंद्र प्रताप ने निदेशक द्वारा दिए गए निर्देशों का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित करने की बात कही तथा सभी प्रवक्ताओं से सक्रिय सहभागिता के साथ विषयवार समूह गठन कर ठोस कार्ययोजना तैयार करने का आह्वान किया। इस अवसर पर संस्थान के समस्त प्रवक्तागण उपस्थित रहे और उन्होंने निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की ।निरीक्षण कार्यक्रम संस्थान की शैक्षणिक प्रगति, प्रशिक्षण गुणवत्ता एवं उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकास की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण एवं मार्गदर्शक सिद्ध हुआ।

सम्पादकीय

दुनिया में एआई का बढ़ता प्रभाव, विकास की नई दिशा या रोजगार और समाज के लिए नई चुनौती, अगला दशक तय करेगा भविष्य, अवसर भी, चेतावनी भी

तेजी से बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों में दुनिया भर में अभी सबसे ज्यादा जोर आधुनिक तकनीकों के विकास और इस क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा नवाचार के प्रयोग पर दिया जा रहा है। सभी देश अपनी विकास नीतियों में अद्यतन तकनीकों को अपना रहे हैं और पारंपरिक तरीके से होने वाले बहुत सारे कामों का स्वरूप अब बदल रहा है। खासतौर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, यानी एआइ के फैलते दायरे ने वैश्विक स्तर पर कामकाज के तौर-तरीकों और उसमें इंसानी भूमिका पर व्यापक असर डाला है।

इसे समय के साथ कदम मिला कर चलने और विकास के परिप्रेक्ष्य में जरूरी माना जा रहा है तथा सभी देश एआइ के सकारात्मक उपयोग को लेकर सक्रिय दिख रहे हैं। भारत की इसमें एक महत्त्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। गौरतलब है कि नई दिल्ली में सोमवार से पांच दिनों का एआइ शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया है, जिसमें कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष से लेकर एआइ कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शामिल होंगे। सम्मेलन का उद्देश्य एआइ के व्यापक तंत्र पर चर्चा के साथ-साथ आम लोगों की जिंदगी पर इसके सीधे असर और फायदों के बारे में जागरूकता फैलाना है।

दरअसल, तकनीक के मामले में जितनी तेज रफ्तार से नवाचार का प्रयोग हुआ है, सभी जरूरी क्षेत्रों में एआइ का दायरा फैला है, उसमें इस पर चर्चा जरूरी हो जाती है कि इसकी संभावनाओं और उम्मीदों के साथ-साथ इससे जुड़ी आशंकाओं पर भी विचार हो। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि विकास के किसी स्वरूप से अंतिम तौर पर आम लोग प्रभावित होते हैं और कोई भी तकनीक इसी कसौटी पर देखी जाएगी कि उससे मनुष्य का कितना समग्र हित सुनिश्चित हो सका और दुनिया की ज्यादातर आबादी के लिए वह कितनी उपयोगी साबित हुई।

हाल के दिनों में जब से एआइ के बढ़ते दायरे और इसके असर की बात होने लगी है, तब से इसे भविष्य में नौकरियों का सृजन करने का औजार भी बताया गया है। दूसरी ओर, एआइ के फैलते पांव के समांतर रोजगार पर इसके व्यापक प्रभाव और खतरों को लेकर आशंकाएं भी जताई गई हैं। दिल्ली के सम्मेलन में एक उद्देश्य एआइ से रोजगार, आम लोगों की जिंदगी पर पड़ने वाले असर और उसके खतरों को कम करने के लिए ठोस उपायों तथा प्रयासों पर भी चर्चा करना है। यह जगजाहिर है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का दायरा कितने बड़े क्षेत्र में फैल चुका है। हाथ में मौजूद स्मार्टफोन अब केवल तस्वीरें संपादित करके सोशल मीडिया के मंचों पर सुर्खियां हासिल करने का जरिया भर नहीं है। चिकित्सा जगत में एआइ का उपयोग बीमारी की पहचान से लेकर इलाज में भी होने लगा है। अपराध पर लगाम लगाने के मामले में एआइ की उपयोगिता साबित हो चुकी है।

शिक्षा जगत से लेकर रक्षा और कारोबार के विभिन्न क्षेत्र में नए स्तर पर इसका प्रयोग हो रहा है। जाहिर है, विकास के नए मानक रचने और आधुनिक दुनिया में अपनी जगह बनाने के लिए एआइ के मामले में हर वक्त अद्यतन रहने की जरूरत होगी।

मगर रोजगार के अवसरों के सिकुड़ने से लेकर कई स्तर पर लोगों की जिंदगी से जुड़े बहुस्तरीय जोखिम के जैसे मामले तेजी से सामने आने लगे हैं, उसका हल निकालना सबसे बड़ी चुनौती होगी। साथ ही एआइ डेटा केंद्रों के पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव और पानी की खपत को लेकर जिस तरह की चिंताएं उभरी हैं, अगर उसका कोई ठोस हल नहीं निकाला गया, तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर निर्भर विकास कसौटी पर होगा।

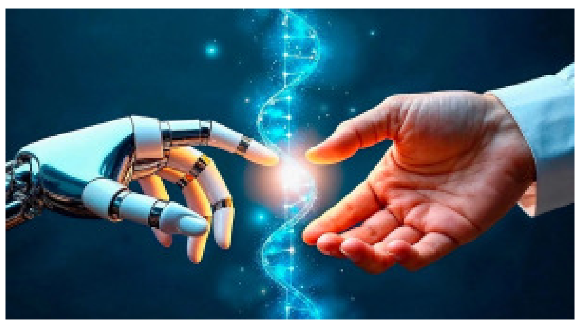

जब शब्द चुप हो जाते हैं, मन की शांति, आत्मसंयम और सही समय पर सही बात कहने की ताकत है मौन

मौन निशब्द है, लेकिन यह भाषा है, भाव, शब्द, अर्थ, साधना, भक्ति, शक्ति, सामर्थ्य, ज्ञान, सुंदर और मुखर भी है। यह अमूल्य आभूषण भी है। मौन को जितनी भी उपाधि दी जाए, कम ही है। यह कमजोरी नहीं है, बल्कि यह शक्तिशाली है। कभी-कभी हम बोलकर शब्दों के जरिए जितना सटीक अपने आप को अभिव्यक्त नहीं कर पाते हैं, उससे ज्यादा चुप रहकर बोल लेते हैं।

कुछ भाव-भावनाओं के लिए तो शब्दकोश में शब्द खोजते रह जाते हैं, लेकिन नहीं मिलता। वहीं भाव भंगिमा की सहायता से मौन के सहारे एकदम सटीक, बेहतर तरीके से अपनी बात कह देते हैं।

कुछ लोग शब्दों की अनुपस्थिति को मौन मान लेते हैं। जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। मौन का मतलब सिर्फ शब्दों का अभाव नहीं है, बल्कि आंतरिक शांति, स्पष्टता और समझ पाने की गहरी क्षमता है। इससे इंसान के भीतर आत्मचिंतन और एकाग्रता में इजाफा होता है। मौन उसे ही माना जा सकता है, जहां हमारा चित्त पूरी तरह से शांत हो।

वहीं बिना वजह का बोलना हमारी ऊर्जा का फिजूल खर्च है। ऐसी जगह पर शाब्दिक 'मौन' ऊर्जा की बचत ही करता है। साथ ही अत्यधिक वाचाल होना विभिन्न प्रकार के विवादों को न्योता देना होता है, जिससे हम अनावश्यक विवाद में उलझते हैं।

मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए मौन को वरदान के तौर पर देखा जाता है। इसके जरिए हम खुद के साथ ज्यादा गहराई से जुड़ते हैं। जब हम मौन में रहते हैं, तो अपने ऊपर चिंतन-मनन करते हैं। अपने जीवन के बारे में ठीक-ठाक विश्लेषण करते हैं, जो हमारे जीवन में सार्थक और चमत्कारिक बदलाव लाता है।

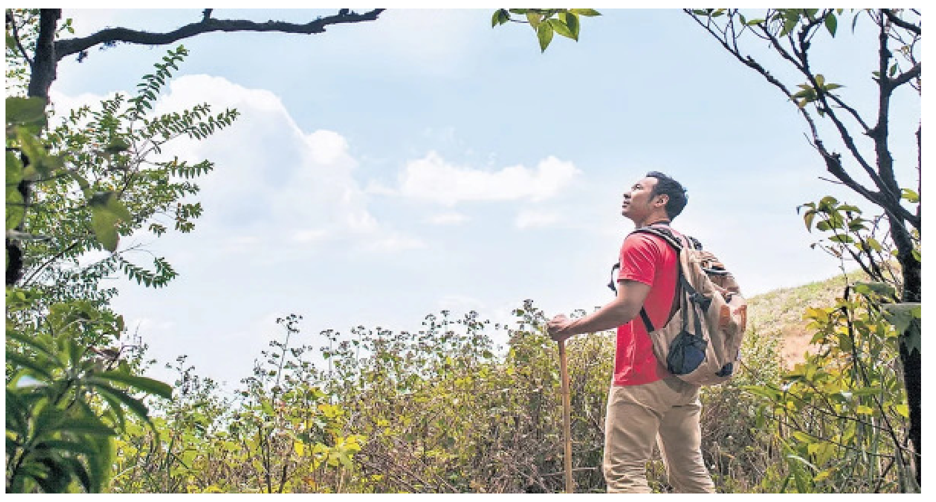

इससे हम दुनिया के बाहरी शोर को परे रखकर आंतरिक ज्ञान और स्थिरता पाते हैं। यह सब हमारे मन को शांत करता है और जीवन को सकारात्मक बनाता है। कहा जा सकता है कि मौन हमारा आध्यात्मिक और व्यक्तिगत विकास करता है।

मौन की एक शक्ति हमारे परिस्थितिजन्य तात्कालिक आवेग को रोक कर कुछ भी अनुचित कहने से रोकना है, जो रिश्तों को बचाने का काम करता है। अक्सर अत्यधिक बोलने वाले आवेग में ऐसी बातें बोल देते हैं, जो लोगों को अप्रिय लगती है और फिर रिश्तों में तनाव उत्पन्न हो जाता है।

पर जिन्हें मौन का अभ्यास होता है, वे अपने तात्कालिक आवेग पर नियंत्रण रख लेते हैं। बाहर से देखने पर मौन में भले खामोशी दिखती है, लेकिन यह एक सक्रिय अवस्था है जो जीवन में आंतरिक शक्ति, शांति जीवन में लाने का कार्य करती है।

जानकार लोग भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि हम केवल न बोलने को मौन समझ लेते हैं, जबकि वास्तव में मौन तब होता है, जब मन की खटपट मिट जाए, मन पूरी तरह शांत हो जाए। हमारे होंठ भी इसी कारण चलते हैं, क्योंकि जब मन अशांत होता है, तब हम मौन होकर भी मौन नहीं होते हैं। शब्दहीनता को मौन समझ लेना इसका सस्ता अर्थ लगाना है।

श्रीमद्भागवत गीता में मौन को मानसिक 'तप' के साथ-साथ आत्मसंयम का साधन और ईश्वर की वाणी सुनने का मार्ग बताया गया है। मौन का अर्थ केवल वाणी से नहीं, बल्कि मन की चंचलता को रोकने से है। और मन की चंचलता को रोकना अपने आप में दुसाध्य कार्य है। मौन का अर्थ कमजोरी नहीं है, बल्कि यह आत्म साक्षात्कार, मानसिक शांति, आध्यात्मिक प्रगति के लिए एक आवश्यक साधन है।

किसी भी चीज के दो पहलू होते हैं- सकारात्मक और नकारात्मक। मौन का नकारात्मक पहलू यह है कि यह कई बार अर्थ का अनर्थ भी कर देता है। भले ही इसके बहुत सारे लाभ हों, लेकिन अक्सर यह संशय और भ्रम की स्थिति उत्पन्न कर देता है।

इसे एक दुधारी तलवार की तरह देखा जा सकता है, जो अपने नकारात्मक पक्ष में भी ज्यादा धारदार या नुकसानदेह नहीं है। फिर भी इसमें थोड़ी धार तो होती ही है। इसलिए मौन का भी उपयोग करते हुए सचेत रहने की जरूरत होती है। अगर सही समय पर सही बात को नहीं बोला जाए तो गलतफहमी भी उत्पन्न करता है। अक्सर हमारे मौन को हमारी असहमति या कमजोरी मान लिया जाता है, जिससे स्थिति सुधरने के बजाय और भी बिगड़ जाती है।

जब संवाद रुक जाता है, तब मौन से भावनाएं मर जाती हैं और रिश्तों में विश्वास और असुरक्षा की भावना पैदा होने की संभावना बढ़ जाती है। मौन वही सही है, जो मन को शांति दे। जब किसी विषय वस्तु पर कोई व्यक्ति चुप रहता है, तो अन्य लोग उसकी चुप्पी को बहुत ही आसानी से सहमति या असहमति मान लेते हैं। जबकि हर बार ऐसा नहीं होता है।

हो सकता है कि वह व्यक्ति किसी अन्य परेशानी में उलझा हुआ हो या उस स्थिति के लिए कुछ सही शब्द नहीं मिल रहे हों, जिसके कारण वह फिलहाल चुप है। हालांकि बहुत बार ऐसा भी होता है कि किसी गंभीर मुद्दे पर चुप्पी कोई हल निकालने के बजाय समस्या को दोगुना बढ़ा देती है।

समाधान के लिए बात करना जरूरी होता है और वह भी समय पर। अगर समय पर बात नहीं की जाए, तो कई बार स्थिति हाथ से निकल जाती है। कहा जा सकता है कि समय के मुताबिक मौन अपनी जगह पर सही है और संवाद भी अपनी जगह पर सही है। बस इनमें से किसी का चुनाव समय और जरूरत के मुताबिक और सतर्कता से हो।

मनोरंजन के नहीं मौत का कारण बनते ऑनलाइन गेम

कोरियन लवर गेम के चलते गाजियाबाद की तीन बहनों की खुदकुशी ने आज के हालात और बच्चों की बदलती मानसिकता को लेकर झकझोर कर रख दिया है। अभी तीन बहनों की चिता की आग ठंडी भी नहीं हुई कि ऑनलाइन गेम के चलते मेरठ का 22 वर्षीय युवक मोहम्मद कैफ हेडफोन लगाकार गेम खेलते खेलते ही बेहोश होकर गिर गया और ब्रेन हेमरेज होने से मौत के आगोश में समा गया। इसे इंटरनेट गेमिंग डिसआर्डर के रुप में देखा व समझा जा सकता है। इस तरह की घटनाएं देश दुनिया में आये दिन हो रही है और इनमें से कुछ ही घटनाएं हमारे सामने आ पाती है। ऑनलाइन गेम की गिरफ्त में हमारे देश के ही बच्चे या युवा आ रहे हो ऐसा है नहीं अपितु दुनिया के अधिकांश देश इस समस्या से दो चार हो रहे हैं। इस तरह की घटनाओं को हत्या के रुप में ही देखा जाना चाहिए। आत्महत्या कहकर इसे हल्का किया जा रहा है।

हालात यहां तक है कि बच्चे या ऑनलाइन गेम खेलने वाले रात को सोने की स्थिति में गेम में चल रहे टास्क स संबंधित बातें बोलते हुए देखे जा सकते हैं। पिछले दिनों ऑनलाइन गेम से ग्रसित बच्चे द्वारा नींद में फायर फायर चिल्लाने का समाचार आम होता देखा गया। दरअसल ऑनलाइन गेम खेल मनोस्थिति को इस कदर प्रीभावित कर देते हैं कि उठते बैठते टास्क ही टास्क दिमाग में घूमता रहा है। इसी कारण से दुनिया के कई देशों में बच्चों के लिए इंटरनेट के उपयोग को लेकर सख्ती या रोक जैसे कदम उठाने शुरु किये हैं। आस्ट्रेलिया, फ्रांस, ब्रिट्रेन, सिंगापुर दक्षिण कोरिया आदि देश इस दिषा में सक्रिय हुए हैं।

दरअसल देखा जाएं तो आनलाइन गेम की लत अन्य नशों से भी अधिक गंभीर होती जा रही है। माना जाता है कि दुनिया के देशों में 1982 में आनलाइन गेमिंग के चलते पहली मौत का मामला सामने आया था जबकि उस समय तो इंटरनेट की पहुंच एक प्रतिशत तक भी नहीं थी। 2002 के बाद ऑनलाइन गेमों की बाढ़ सी आ गई और भारत ही नहीं दुनिया के देशों में गेमिंग के चलते होने वाले दुष्प्रभावों से हिला कर रख दिया है। देखा जाए तो जहां तक बच्चों में ऑनलाइन गेमिंग के चस्के का प्रमुख कारण माना जाए तो इसे कोविड के साइड इफेक्ट के रुप में देखा जा सकता है। दरअसल कोविड के चलते बच्चों की जिस तरह से ऑनलाइन कक्षाएं शुरु हुई और जिस तरह से आज भी इसे देखा जा सकता है तो बच्चों के हाथों में एंड्रायड़ फोन आने और ऑनलाइन कक्षाओं के बाद स्क्रिन की अवधि बढ़ने और आकर्षक भ्रमित करने वाले गेमों से बच्चों के

जुड़ने से हालात दिन प्रतिदिन खराब ही हुए हैं। इस लत में बच्चें ही नहीं अपितु युवा भी आते जा रहे हैं। ब्लू व्हेल चैलेंज, पबजी, चोकिंग गेम, फार्टनाइट, फ्री फायर, पपी प्ले टाइम, द बेबी इन येलो, एविल नन, आइसक्रीम आदि आदि गेमों ने सर्वाधिक प्रभावित किया है।

ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया मुख्यतौर से दो दिशाओं में चलती है। एक टास्कबेस्ड गेम है तो दूसरे इमर्सिंव गेम है। टास्कबेस्ड गेम में लगातार नए नए टास्क दिए जाते हैं। यहां तक कि ऐसा भी देखा गया है कि इस तरह के गेम में कई बार तो खेलने वाले को स्वयं को नुकसान पहुंचाने वाले टास्क दे दिए जाते हैं। वाइल्ड हंट, विचर 3, होरिजोन जैसे इस तरह के अनेक गेम है। यह तो केवल उदाहरण मात्र है। इसी तरह से इमर्सिंग गेमों में तकनीक और ग्राफिक्स के माध्यम से यर्थाथ दुनिया जैसे हालात दिखाते हैं। जीरो डॉन, रेड डेड, फॉलआउट और इसी तरह के अनेक गेम उपलब्ध है। मजे की बात यह है कि 10-12 से लेकर 40 वर्ष तक के लोग इन गेमों के चक्कर में अधिक आ रहे हैं।

ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया की बात करें तो यह अपने आप में बड़ा व्यापार है। 2024 में 3.7 बिलियन के कारोबार को माना जा रहा है कि इसी तरह से यह चलता रहा तो 2029 तक 9.1 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना व्यक्त की जा रही है। यानी की 2029 तक लगभग तीन गुणा बढ़ जाएगा। सबसे बड़ी चिंतनीय बात यह है कि ऑनलाइन गेम के कारण भले ही मौत के समाचार कभी कभार ही सामने आते हो पर इससे ज्यादा गंभीरता यह है कि मनोवैज्ञानिक असर अधिक दिखाई देने लगा है। ऑनलाइन गेम के लत वालों में डर, अकेलापन, अनिंद्रा, खुद को नुकसान पहुंचाने के साथ ही शारीरिक और मानसिक विकार आम होते जा रहे हैं। कुंठा, आक्रोश, संवेदनहीनता, तनाव आम होते जा रहे हैं। दरअसल समय आ गया है जब ऑनलाइन गेमिंग की समस्या का हल खोजा ही जाना चाहिए। अन्यथा हालात दिन प्रतिदिन बद से बदतर ही होंगे। ऑनलाइन गेमिंग बनाने वालों को तो एक मात्र उद्देश्य अधिक से अधिक पैसा कमाना है उन्हें इसके दुष्प्रभावों से कोई लेना-देना नहीं होता। हांलाकि भारत सहित कुछ देशों की सरकारें सक्रिय हुई है। पर मनोवैज्ञानिकों को भी आगे आकर कोई समाधान खोजना होगा वहीं अभिभावकों, परिजनों व समाज का भी दायित्व हो जाता है। परिजनों को निरंतर निगरानी रखने, मोबाइल देखने की समय सीमा तय करने, किसी और रचनात्मक कार्य में लगाने, सामाजिक गतिविधियों में अधिक सक्रिय करने और परंपरागत आउट डोर गेम्स के प्रति रुचि पैदा करने के ठोस प्रयास करने ही होंगे। सरकार को भी मौत की राह में ले जाने वाले गेम फोरमेट पर रोक लगाने के सख्त कदम उठाने ही होंगे।

यूरिया नीति में बदलाव, बढ़ती लागत, घटती पैदावार और खाद्य सुरक्षा पर संकट, क्या फैसला देश की परीक्षा है

भारतीय कृषि व्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले यूरिया उर्वरक को लेकर केंद्र सरकार के हालिया निर्णय ने एक नई बहस को जन्म दे दिया है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के आदेश के तहत यूरिया की बोरी का वजन 50 किलो से घटा कर 40 किलोग्राम कर दिया गया है। इसके साथ ही यूरिया में नाइट्रोजन की मात्रा भी 46 से घटा कर 36 फीसद कर दी गई है। सरकार इसे सुधारात्मक कदम के रूप में पेश कर रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि इस निर्णय ने किसानों की लागत बढ़ा दी है और कृषि उत्पादन तथा देश की खाद्य सुरक्षा पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं।

यूरिया खेती में सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाला नाइट्रोजन उर्वरक है। गेहूं, धान और मक्का जैसी उच्च उत्पादकता वाली फसलों की उपज काफी हद तक नाइट्रोजन की उपलब्धता पर निर्भर करती है। यह पौधों की बढ़वार, पत्तियों के विकास और दाने भरने की प्रक्रिया के लिए अनिवार्य तत्त्व है।

ऐसे में यूरिया के स्वरूप में किया गया कोई भी बदलाव सीधे तौर पर फसलों की पैदावार, किसानों की आय और अंततः उपभोक्ताओं की खाद्य सुरक्षा को प्रभावित करता है। सरकार के नए फैसले के बाद यूरिया की एक बोरी में उपलब्ध नाइट्रोजन की मात्रा में भारी गिरावट आई है। पहले 50 किलो की बोरी में 46 फीसद नाइट्रोजन के हिसाब से लगभग 23 किलो नाइट्रोजन उपलब्ध होती थी। अब 40 किलो की बोरी में 36 फीसद नाइट्रोजन के साथ यह मात्रा घट कर केवल 14.4 किलो रह गई है।

इसका सीधा अर्थ यह है कि किसान को उतनी ही नाइट्रोजन प्राप्त करने के लिए पहले की तुलना में कहीं अधिक यूरिया खरीदना पड़ेगा।

अगर मौजूदा 270 रुपए प्रति बोरी की कीमत को आधार बनाया जाए, तो तस्वीर और स्पष्ट हो जाती है। पहले जहां किसानों को प्रति हेक्टेयर नाइट्रोजन की जरूरत पूरी करने के लिए लगभग साढ़े सत्रह सौ रुपए खर्च करने पड़ते थे, अब वही जरूरत पूरी करने के लिए 2835 रुपए खर्च करने होंगे। यानी बिना दाम बढ़ाए ही किसानों पर करीब 37 फीसद अतिरिक्त बोझ डाल दिया गया है। यह बोझ खासकर छोटे और सीमांत किसानों के लिए बेहद मुश्किल भरा साबित हो सकता है।

देश में लगभग एक करोड़ साठ लाख हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि है। इसमें से करीब 65 फीसद भूमि की सिंचाई वर्षा पर आधारित है। यहां दलहन, तिलहन और बागवानी जैसी फसलें उगाई जाती हैं। इन फसलों में यूरिया की खपत अपेक्षाकृत कम होती है और कई मामलों में एक टन प्रति हेक्टेयर से भी कम रहती है।

लेकिन शेष लगभग पचास लाख हेक्टेयर सिंचित भूमि पर गेहूं और धान जैसी उच्च उत्पादकता वाली फसलें ली जाती हैं, जिनके लिए नाइट्रोजन की भारी मात्रा की आवश्यकता होती है। मौजूदा कृषि सिफारिशों के अनुसार गेहूं और धान जैसी फसलों के लिए प्रति हेक्टेयर सालाना लगभग तीन सौ किलो नाइट्रोजन की जरूरत होती है।

जबकि 46 फीसद नाइट्रोजन वाले यूरिया के हिसाब से यह आवश्यकता लगभग 620 किलो यूरिया से पूरी हो जाती थी। इसी आधार पर देश के सिंचित क्षेत्रों के लिए सालाना करीब तीन करोड़ बीस लाख मीट्रिक टन यूरिया की जरूरत आंकी जाती है।

जब कुल खपत चार करोड़ मीट्रिक टन से अधिक है, तो सवाल उठता है कि बाकी यूरिया कहां जा रहा है? इस सवाल का जवाब देश में लंबे समय से चले आ रहे यूरिया के दुरुपयोग में छिपा है।

यह किसी से छिपा नहीं है कि सबसिडी वाले यूरिया का एक बड़ा हिस्सा कृषि के बजाय औद्योगिक उपयोग में चला जाता है। अनुमान है कि कुल सबसिडी वाले यूरिया का लगभग एक-तिहाई, यानी एक करोड़ मीट्रिक टन से अधिक फैक्टरियों में खप जाता है।

केंद्रीय बजट 2022-23 में यूरिया में सबसिडी के लिए एक लाख 32 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था। यह राशि निश्चित रूप से सरकारी खजाने पर भारी बोझ डालती है। मगर सवाल यह है कि इस बोझ को कम करने की कीमत किसान क्यों चुकाए।

यदि आपूर्ति श्रृंखला की पारदर्शिता सुनिश्चित की जाती, तो सबसिडी का बड़ा हिस्सा बचाया जा सकता था। इसके बजाय सरकार ने ऐसा कदम उठाया है, जिससे ईमानदार किसान ही सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहा है।

इस नीति का एक और गंभीर पहलू है यूरिया की उपलब्धता और आपूर्ति संकट। पहले ही देश के कई हिस्सों में किसान बुआई के समय घंटों लंबी कतारों में लग कर यूरिया खरीदने को मजबूर हैं। कई बार समय पर पूरी मात्रा नहीं मिल पाती। इससे खाद डालने का सही समय निकल जाता है।

अब जब प्रति हेक्टेयर जरूरत पूरी करने के लिए अधिक बोरियां खरीदनी पड़ेंगी, तो यह संकट और गहराने की आशंका है। इसका सीधा असर फसलों के विकास और अंततः पैदावार पर पड़ेगा।

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन के अनुसार गेहूं, धान और मक्का जैसी फसलों की पूरी पैदावार के लिए प्रति हेक्टेयर 120 से 150 किलो नाइट्रोजन की जरूरत होती है। पहले किसानों को यह मात्रा प्राप्त करने के लिए 50 किलो वाले यूरिया की लगभग सात बोरियां डालनी पड़ती थी।

अब वही मात्रा पाने के लिए उसे दस से ग्यारह बोरी यूरिया की जरूरत होगी। इससे न केवल लागत बढ़ेगी, बल्कि मिट्टी के संतुलन और पर्यावरण पर भी नकारात्मक असर पड़ेगा।

यह संकट केवल किसानों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध देश की खाद्य सुरक्षा से भी है। पिछले तीन वर्षों में गेहूं के निर्यात पर पूर्ण प्रतिबंध के बावजूद सरकारी खरीद अपने लक्ष्य से काफी पीछे रही है।

यह स्थिति तब है, जब सरकार पैदावार के बड़े-बड़े दावे करती रही है। इस विरोधाभास से संकेत मिलता है कि देश में गेहूं का वास्तविक उत्पादन और घरेलू खपत लगभग बराबर स्तर पर पहुंच चुकी है। ऐसे में यदि यूरिया की कमी या महंगाई के कारण पैदावार में गिरावट आती है, तो देश को अनाज आयात पर निर्भर होना पड़ सकता है।

खाद्य सुरक्षा किसी भी देश की संप्रभुता और सामाजिक स्थिरता का आधार होती है। भारत जैसे विशाल आबादी वाले देश में अनाज उत्पादन में थोड़ी-सी भी कमी व्यापक प्रभाव डाल सकती है। महंगाई, सार्वजनिक वितरण प्रणाली पर दबाव और ग्रामीण असंतोष इसके संभावित परिणाम हो सकते हैं।

इसलिए यूरिया जैसी बुनियादी कृषि सामग्री को लेकर तय की गई किसी भी नीति का मूल्यांकन केवल बजट संतुलन के नजरिए से नहीं किया जाना चाहिए। समाधान के रास्ते मौजूद हैं, बशर्ते नीति-निर्माण में इच्छाशक्ति और व्यावहारिक दृष्टिकोण हो।

सबसे पहले यूरिया के औद्योगिक दुरुपयोग पर सख्ती से रोक लगानी होगी। किसानों के लिए उपलब्ध यूरिया की गुणवत्ता और मात्रा से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। नीतियां जमीनी वास्तविकताओं और वैज्ञानिक सिफारिशों के अनुरूप होनी चाहिए, न कि केवल कागजी आंकड़ों पर। यह समझना होगा कि किसान, कृषि और खाद्य सुरक्षा एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं।

इनमें से किसी एक को कमजोर कर बाकी दो को सुरक्षित नहीं रखा जा सकता। कृषि केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक स्थिरता और खाद्य सुरक्षा का आधार भी है। ऐसे में कोई भी प्रयोग दूरगामी परिणाम लेकर आता है। यदि किसान लागत बढ़ने या उपलब्धता की कमी के कारण आवश्यक मात्रा में यूरिया नहीं डाल पाता, तो उपज में गिरावट तय है।

चौरी पुलिस ने शातिर चोरों को दबोचा

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। थाना चौरी क्षेत्र में नकबजनी कर व ताला तोड़कर की गई दो चोरी की घटनाओं का पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए कुल छह अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देश पर, अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी औराई राजीव कुमार सिंह के नेतृत्व में की गई। पुलिस के अनुसार 15/16 फरवरी को भाला बाजार की किराना दुकान तथा 10/11 फरवरी को जोगीपुर स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर से हुई चोरी के मामलों में मुकदमे दर्ज कर जांच चल रही थी, जिसे अब अनावरण कर लिया गया है।

मुखबिर की सूचना पर वेदमनपुर परसीपुर (वन विभाग नर्सरी के पास) से अपचारी प्रथम (17), अपचारी द्वितीय (16), किशन बिन्द (18), आशीष बिन्द उर्फ अली (19), आकाश बिन्द (18) निवासी ग्राम भाला तथा नितेश दूबे निवासी जगदीशपुर को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से 18, 010 रुपये नकद, 20 पैकेट सिगरेट, एक बैटरी, एक इन्वर्टर, चार मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल बरामद हुई। सीओ औराई राजीव सिंह ने टीम की सराहना करते हुए कहा कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क है।गिरफ्तारी व बरामदगी करने वाली पुलिस टीम उपनिरीक्षक केदार राम, एसआई महेन्द्र कुमार राम, कांस्टेबल दिनेश कुमार गौतम, सुरेश कुमार यादव, अरविन्द कुमार , सुजीत चौधरी आदि शामिल रहें।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ जिला स्वास्थ्य समिति, शासी निकाय की मासिक समीक्षा बैठक

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में योजनाओं की समीक्षा, लापरवाही पर कार्रवाई के आदेश

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिला स्वास्थ्य समिति शासी निकाय की मासिक समीक्षा एवं आयुष विभाग की बैठक जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में कलेक्टेट्रट सभागार में सम्पन्न हुआ। साथ ही महराजा चेतसिंह जिला चिकित्सालय सीएमएस ज्ञानपुर डॉ0 ए0के0 तिवारी के स्वास्थ्य विभाग के सभी इन्डीकेटर्स पर प्रगति खराब होने, कार्य में रूची न लेने व बेहद कार्यप्रणाली खराब होने पर कड़ी फटकार लगाते हुए कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश सम्बन्धित अधिकारी को दिया। क्षय रोग विभाग के लेखाकार रजनीश कुमार द्वारा पिछले 06 माह से अनुपस्थित व उनके द्वारा दायित्वों का सही निर्वहन करने पर अन्तिम नोटिस देने के साथ कड़ी कार्यवाही करने का निर्देश दिया। साथ ही पिछली अनुपालन आख्या की समीक्षा की, और कहा कि जिन इन्डीकेटर्स पर प्रगति खराब है, एमओआईसी विशेष निगरानी करते हुए प्रगति लाये। सभी चिकित्सालयों में बायो बेस्ट का निस्तारण सही ढंग से कराने का निर्देश दिया।

एमबीएस भदोही के अधीक्षक ने स्टाफ की कमी बताई तो जिलाधिकारी में मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिया कि जहां अधिक स्टाफ है वहां से स्टाफ को भदोही भेजने का निर्देश दिया। उन्होंने टीबी मरीजों को चिन्ह्ति करने हेतु टीम बनाकर कार्य करने का निर्देश दिया। साथ ही पहले से चिन्ह्ति टीबी मरीजों को शत-प्रतिशत पोषण पोटली उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। क्वालिटी एसेसमेंट कराने पर बल दिया। आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों का कार्ड बनाने हेतु निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने प्रेग्नेंट वोमेन एण्ड चाइल्ड रजिस्टेट्रशन बढ़ाने परजोर दिया गया। यू0पी0 हेल्थ डैशबोर्ड के विभिन्न बिन्दुओं की समीक्षा की गयी। स्वास्थ्य

विभाग के हर कार्यक्रम की कंपोजिट रिपोर्ट अगले बैठक में प्रस्तुत किया जाए। सभी एमओआईसी, आशा व एएनएम की हफ्ते में बैठक कर सघन समीक्षा करने का निर्देश दिया। यूनिसेफ, यूएनडीपी की तरह समस्त एमओआईसी अपने ब्लॉकों में जाकर स्थलीय विजिट कर अवलोकन करें। मातृत्व दर का सही डेटा प्रस्तुत किया जाए। सीएचसी, पीएचसी के इंफ्रास्ट्रक्चर पर बल देते हुए खराब स्थिति को ठीक करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने स्वास्थ विभाग की लापरवाहियों पर नाराजगी जताते हुए कड़ा निर्देश दिया कि सभी डॉक्टर जनपद में निवास करें, अन्यथा निरीक्षण में अनुपस्थित पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि बैठक की कार्यवृत्ति में सभी बिन्दुओं की समीक्षा अगले दिन तक अवश्य उनके समक्ष प्रस्तुत किया जाए।

समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने क्वालिटी एश्योंरेस कार्यक्रम के अन्तर्गत आयुष्मान आरोग्य मन्दिर में लैब स्लैब एवं बेसिंग उपलब्धता पर बल दिया। स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत डॉक्टरों के उपस्थिति की चेकिंग एवं कार्य के प्रति उनकी दक्षता का सतत् मूल्यांकन हो। आयुष्मान आरोग्य मंदिर में व्यक्तिगत व टीम बेस्ड इंटेंसिव बढ़ाने व सुधार करने का जिलाधिकारी ने निर्देश दिया। सभी पीएचसी, सीएचसी पर ड्यूटीरूम सहित सभी जगह साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित हो।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने सभी एमओआईसी को निर्देशित किया कि संस्थागत प्रसव को बढ़ाये, इस सन्दर्भ में आशा व एएनएम को प्रेरित करें। प्रसूता को कम से कम 48 घण्टे अस्पताल में रूकने हेतु प्रेरित किया जाय। राष्ट्रीय दृष्टिहीनता/दृष्टि दोष की जॉच हेतु जिलाधिकारी ने कैम्प लगाकर अभियान चलाने का निर्देश दिया। ई-कवच समरी रिपोर्ट के अन्तर्गत जिलाधिकारी ने सभी एमओआईसी को आभा आईडी जनरेट करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने जनपद में कार्यरत सभी कम्युनिटी आफिसर को निर्देशित किया कि आयुष्मान आरोग्य मन्दिर की प्रभावी क्रियाशीलता हेतु अटेन्डेंस के माध्यम से नियमित करें, लापरवाही न बरते। सभी आयुष्मान आरोग्य मन्दिर पर बिजली, पानी, दवा की उपलब्धता शत-प्रतिशत सुनिश्चित हो। जहॉ कुछ कमी है, वहॉ के चिकित्सा अधीक्षक, डीपीआरओ व सीडीओ से समन्वय स्थापित कर पूर्ण कराये। जिलाधिकारी द्वारा समीक्षा करते हुए सम्बन्धित को निर्देशित किया गया कि सभी अपने उत्तरदायित्वों व कार्यो का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी के साथ करें।

जनता दर्शन में जिलाधिकारी शैलेष कुमार सख्त, मौके पर निस्तारण के निर्देश

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से अधिकारियों को लगाई फटकार, आपसी सुलह से समाधान पर जोर

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना। विभिन्न विभागों से संबंधित भूमि विवाद, राजस्व प्रकरण, पुलिस, विकास एवं अन्य शिकायतों पर जिलाधिकारी ने तत्परता दिखाते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तहसीलदारों, खंड विकास अधिकारियों एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का मौके पर जाकर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि केवल औपचारिकता पूर्ण करने से काम नहीं चलेगा, बल्कि शिकायतकर्ता को वास्तविक राहत मिलनी चाहिए।

उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जहां संभव हो, दोनों पक्षों को आमने-सामने बैठाकर आपसी सुलह-समझौते के माध्यम से विवादों का समाधान कराया जाए, जिससे अनावश्यक मुकदमेबाजी एवं तनाव से बचा जा सके।

जिलाधिकारी ने चेतावनी दी कि लापरवाही अथवा शिकायतों के निस्तारण में शिथिलता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जनता दर्शन में आए फरियादियों ने जिलाधिकारी की सक्रियता की सराहना करते हुए निष्पक्ष सुनवाई पर संतोष व्यक्त किया। जिला प्रशासन ने दोहराया कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान ही प्रशासन की प्राथमिकता है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व कुंवर वीरेंद्र मौर्य, अपर जिलाधिकारी न्यायिक विजय नारायण सिंह एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे

मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत महिलाओं-बालिकाओं को किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के तहत मंगलवार को जनपद भर में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।

पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों पर गठित मिशन शक्ति एवं एंटी-रोमियो टीमों ने प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूल-कॉलेजों, धार्मिक स्थलों व अन्य सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं व बालिकाओं को जागरूक किया।

इस दौरान टीमों द्वारा सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केंद्र योजना आदि की जानकारी दी गई।

साथ ही महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े हेल्पलाइन नंबरों 1090 (वीमेन पावर लाइन), 112 (आपातकालीन सेवा), 1076 (सीएम हेल्पलाइन), 102/108 (स्वास्थ्य व एंबुलेंस सेवा), 181 (महिला हेल्पलाइन), 1930 (साइबर क्राइम हेल्पलाइन) के बारे में पंपलेट वितरित कर विस्तार से जानकारी दी गई।

हाईस्कूल-इंटर बोर्ड परीक्षा आज से प्रारंभ, 55, 688 परीक्षार्थी होंगे शामिल

नकलविहीन परीक्षा के लिए कड़े इंतजाम

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही।जनपद में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा मंगलवार से प्रारंभ हो गई है। परीक्षा को नकलविहीन, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने बताया कि शासन द्वारा निर्धारित समय सारिणी के अनुसार परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जा रही है। प्रथम पाली प्रातः 8:30 बजे से 11:45 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 2:00 बजे से 5:15 बजे तक होगी।

जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि जनपद में कुल 55, 688 परीक्षार्थी बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हैं। इनमें हाईस्कूल के 27, 545 एवं इंटरमीडिएट के 28, 143 छात्र-छात्राएं शामिल हैं।

परीक्षा की सघन निगरानी के लिए प्रशासन द्वारा 3 जोनल मजिस्ट्रेट, 12 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 94 स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं 94 बाह्य केंद्र व्यवस्थापक तैनात किए गए हैं। इसके साथ ही 6 सचल दल भी सक्रिय रहेंगे।

सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से सतत निगरानी, प्रश्नपत्रों

की सुरक्षित व्यवस्था एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। साथ ही विद्युत आपूर्ति, पेयजल, शौचालय, बैठने की समुचित व्यवस्था एवं स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया गया है। परीक्षा केंद्रों के आसपास धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू की गई है तथा फोटोकॉपी, साइबर कैफे व कोचिंग संस्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। जिलाधिकारी ने अभिभावकों एवं विद्यार्थियों से सहयोग की अपील करते हुए परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि वे आत्मविश्वास एवं अनुशासन के साथ परीक्षा दें, जिससे उनका भविष्य उज्ज्वल हो।

विधायक ने मंदिर के विकास कार्य पर लगाए पश्न चिन्ह

सिद्धार्थनगर। जिले के शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा ने सदन की कार्यवाही के दौरान माननीय पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह से भेंट कर अपने विधानसभा क्षेत्र शोहरतगढ़ अंतर्गत पलटा देवी मंदिर में कराए गए कार्य की अत्यंत घटिया गुणवत्ता एवं स्थानीय जनता में व्याप्त रोष के विषय में अवगत कराया।इसके साथ ही, समय माता मंदिर में सरकार द्वारा स्वीकृत धनराशि के बावजूद अब तक कार्य में अपेक्षित प्रगति न होने पर भी चर्चा की गई एवं आगे होने वाले सभी कार्यों में गुणवत्ता एवं मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित कराया जाए, किसी भी स्तर पर लापरवाही या समझौता न हो। मंत्री जी ने विषय को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र में चल रहे सभी विकास कार्यों में गुणवत्ता एवं मानकों से किसी प्रकार का समझौता न हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी भी कार्य में कमी पाई गई तो ठेकेदार एवं कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी, उन्हें ब्लैकलिस्ट किया जाएगा तथा उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जनहित में गुणवत्तापूर्ण विकास कार्य सुनिश्चित कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

एनएसएस के विशेष शिविर में स्वच्छता और स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की स्वामी विवेकानंद इकाई एवं रानी लक्ष्मीबाई इकाई द्वारा नगर पंचायत शोहरतगढ़ के वार्ड संख्या 9 शिव नगर और वार्ड संख्या 10 गांधी नगर में एकदिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय शोहरतगढ़ के छात्र-छात्राओं द्वारा किया गया।शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने नगरवासियों को स्वच्छता, स्वास्थ्य और बीमारियों की रोकथाम के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित कीं। गांधी नगर वार्ड में स्वामी विवेकानंद इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रामकिशोर सिंह के नेतृत्व में जागरूकता अभियान चलाया गया, जबकि शिव नगर वार्ड में रानी लक्ष्मीबाई इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ए. के. सिंह ने शिविर का संचालन किया।

शिविर में सौरभ कुमार रावत, अजीत कुमार, अंकिता, चंपा, नीलू गौड़, निशा और निर्जला यादव सहित अनेक स्वयंसेवकों ने घर-घर जाकर स्वच्छता का संदेश पहुँचाया। प्रतिभागियों ने नागरिकों से व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने, नियमित हाथ धोने, शुद्ध जल के उपयोग और संतुलित आहार अपनाने की अपील की। इस दौरान स्वास्थ्य संबंधी नारे और स्लोगन

भी प्रस्तुत किए गए, जिससे लोगों में नई जागरूकता का संचार हुआ।स्थानीय नगरवासियों ने छात्र-छात्राओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर समाज में जागरूकता फैलाने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। दोनों इकाइयों के संयुक्त प्रयासों से क्षेत्र में स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक वातावरण बना।

कार्यक्रम अधिकारियों ने स्वयंसेवकों के उत्साह, अनुशासन और सेवा-भावना की प्रशंसा करते हुए कहा कि एनएसएस के स्वयंसेवक समाज के सच्चे प्रहरी हैं। उन्होंने बताया कि युवा शक्ति ही राष्ट्र की वास्तविक ताकत है और सेवा व सहयोग की भावना से ही स्वस्थ एवं जागरूक समाज का निर्माण संभव है।

गोदरेज कैपिटल ने उत्तर प्रदेश सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप की वित्तीय सेवा शाखा, गोदरेज कैपिटल ने अपनी सहायक कंपनी गोदरेज फाइनेंस लिमिटेड के माध्यम से उत्तर प्रदेश सरकार के साथ एक रणनीतिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, ताकि उत्तर प्रदेश भर में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के इकोसिस्टम को सशक्त किया जा सके। यह साझेदारी समय पर ऋण तक पहुंच में सुधार करने, उद्यम आधुनिकीकरण को सक्षम बनाने, और भारत के सबसे तेज़ी से बढ़ते राज्यों में से एक में आर्थिक विकास का समर्थन करने के उद्देश्य से है।

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा विकासखंड ज्ञानपुर में पंचायत सचिवों से आयुष्मान गोल्डन कार्ड फॉर्मर रजिस्ट्री, डुप्लीकेट वोटर एवं फैमिली आईडी के संबंध में गहन समीक्षा की गई, निर्देशित किया गया कि अवशेष तीनों योजनाओं के अंतर्गत अवशेष पात्र व्यक्तियों का कार्ड बनवाना सत्यापन करना एवं रजिस्ट्रेशन कराया जाना सुनिश्चित करें ६ बैठक में खंड विकास अधिकारी एडीओ पंचायत एवं समस्त पंचायत सचिव उपस्थित रहे।

न्याय पंचायत स्तरीय शिक्षण संकुल की मासिक बैठक संपन्न

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। मंगलवार को प्राथमिक विद्यालय बनकट विकास खंड-सुरियावां, जनपद- भदोही में डॉ. ओमप्रकाश मिश्रा (ब्लॉक अध्यक्ष सुरियावां प्राथमिक शिक्षक संघ व प्रधानाध्यापक) की अध्यक्षता में आहूत की गई।

नोडल संकुल राजेश कुमार द्वारा एजेंडा को बारी-बारी से प्रस्तुतीकरण किया गया।

बैठक में वार्षिक परीक्षा पर वृहद चर्चा किया गया। सत्र 2026 -27 के नामांकन के लिए चर्चा किया गया। उपस्थित अध्यापकों के द्वारा कक्षा को गुणवत्तापूर्ण छात्र उपस्थिति एमडीएम व छात्रों के ठहराव पर चर्चा किया गया।

डॉ.ओमप्रकाश मिश्रा जी ने बताया कि -छात्र उपस्थिति की बात करें, तो यह केवल विद्यालय में नाम दर्ज होने तक सीमित नहीं है, बल्कि नियमित रूप से विद्यालय आना और सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय भाग लेना ही वास्तविक उपस्थिति है। जब विद्यार्थी नियमित रूप से विद्यालय आते हैं, तभी वे पाठ्यक्रम को सही ढंग से समझ पाते हैं और उनकी सीखने की निरंतरता बनी रहती है।

बैठक में शिक्षक संकुल राजन वर्मा, प्रदीप सिंह, संतोष कुमार बिंद, राजेंद्र प्रसाद, राजेश कुमार, गजेंद्र कुमार मिश्र, आदि उपस्थित रहे।

रोजगार मेला कल

भदोही।जनपद के बेरोजगार युवाओं के लिए राहत भरी खबर है। जिला सेवायोजन कार्यालय, ज्ञानपुर में 19 फरवरी को कल एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया है। मेले में प्रदेश व प्रदेश के बाहर की निजी कंपनियां प्रतिभाग करेंगी और युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करेंगी।

रोजगार मेले में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों का रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीयन व ऑनलाइन आवेदन अनिवार्य है। चयन प्रक्रिया में शामिल होने हेतु 18 से 45 वर्ष की आयु के लोगो को सभी शैक्षिक प्रमाण-पत्र साथ लाना आवश्यक होगा।

हाईकोर्ट अधिवक्ता की सड़क हादसे में मौत

लालानगर टोल प्लाजा के पास तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से गयी जान

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। वाराणसी प्रयागराज राजमार्ग पर स्थित लालानगर टोल प्लाजा के पास सोमवार की देर शाम सड़क हादसे में प्रयागराज निवासी हाईकोर्ट के अधिवक्ता प्रभात मिश्रा (35) की दर्दनाक मौत हो गई। घटना से अधिवक्ता समुदाय सहित क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रभात मिश्रा पुत्र प्रेम नारायण मिश्रा, निवासी जुड़ापुर दादूपुर, थाना सोरांव, जनपद प्रयागराज, न्यायालयीन कार्य से अपनी ब्रेजा कार से वाराणसी गए थे। कार्य समाप्ति के बाद वे अपने तीन मित्रों के साथ वापस प्रयागराज लौट रहे थे। इसी दौरान लालानगर टोल प्लाजा पर फास्टैग रिचार्ज न होने के कारण उनकी कार टोल बूथ पर रुकी थी। बताया जाता है कि कार से उतरकर रिचार्ज कराने जाते समय प्रयागराज से वाराणसी की ओर जा रही एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में अधिवक्ता गंभीर रूप से घायल हो गए। साथियों द्वारा उन्हें तत्काल सीएचसी गोपीगंज ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने इलाज के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मामले में क्षेत्राधिकारी प्रभात राय ने बताया कि दुर्घटना में शामिल मोटरसाइकिल व चालक को कब्जे में लेकर अभियुक्त के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। बताया जाता है कि दिवंगत अधिवक्ता प्रभात मिश्रा हाल ही में बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के चुनाव में सदस्य पद के प्रत्याशी भी रह चुके थे। वे अपने पीछे पत्नी एवं एक पुत्र को छोड़ गए हैं। घटना की सूचना मिलने पर अधिवक्ताओं एवं क्षेत्रीय नागरिकों ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

औराई में पीएम विश्वकर्मा लाभार्थियों हेतु जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही।जनपद के आकांक्षी ब्लॉक औराई में पीएम विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पारंपरिक कारीगरों एवं शिल्पकारों को पीएम विश्वकर्मा योजना सहित विभिन्न एमएसएमई योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें स्वरोजगार, डिजिटल लेन-देन, विपणन और वित्तीय सशक्तिकरण के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जबकि अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्र व पौधा भेंट कर किया गया।

कार्यक्रम में सहायक निदेशक एमएसएमई संजय कुमार ने योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की, वहीं यंग प्रोफेशनल एमएसएमई नूपुर दुबे ने पीएम विश्वकर्मा योजना के प्रावधानों की जानकारी दी। खंड विकास अधिकारी दिलीप कुमार एवं सहायक आयुक्त उद्योग अशोक कुमार ने कारीगरों को सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए निदेशक एमएसएमई एल.बी.एस. यादव ने कहा कि पारंपरिक कारीगरों का कौशल देश की अमूल्य धरोहर है, जिसे आधुनिक तकनीक और डिजिटल माध्यमों से वैश्विक बाजार से जोड़ा जाना आवश्यक है।

तकनीकी सत्र में विशेषज्ञों ने ऑनलाइन बिक्री, ब्रांडिंग, पैकेजिंग, वित्तीय एवं डिजिटल साक्षरता, ऋण प्रक्रिया और डिजिटल भुगतान जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में प्रश्न-उत्तर सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें लाभार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। कार्यक्रम में लगभग 110 पीएम विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों, कारीगरों एवं उद्यमियों ने सहभागिता की और इसे उपयोगी व ज्ञानवर्धक बताया।

शिवपति पीजी कालेज शोहरतगढ़ के छात्रावास में नवनिर्मित कक्ष का हुआ भव्य लोकार्पण

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय शोहरतगढ़ के विश्वनाथ सिंह छात्रावास में निर्मित नये कक्ष का लोकार्पण कुंवर धनुर्धर प्रताप सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय शोहरतगढ़ परिवार एवं छात्रावास के छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही।लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान कुंवर धनुर्धर प्रताप सिंह एवं प्राचार्य डॉ अरविन्द कुमार सिंह ने छात्रों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह नया कक्ष विद्यार्थियों के अध्ययन, अनुशासन और प्रगति का सशक्त आधार बनेगा। उन्होंने छात्रों को शिक्षा के माध्यम से उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर छात्रावास परिवार में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार देखने को मिला। कार्यक्रम ने छात्रों को शिक्षा, अनुशासन और सेवा की भावना के प्रति प्रेरित किया। इस दौरान कार्यक्रम में कुंवर धनुर्धर प्रताप सिंह, प्राचार्य डॉ अरविन्द कुमार सिंह, छात्रावास अधीक्षक डॉ. रामकिशोर सिंह, सहायक छात्रावास अधीक्षक डॉ. अजय कुमार सिंह, मुख्य नियंता मेजर मुकेश कुमार, रत्नेश सोनी सहित छात्रावास के सभी छात्र मौजूद रहे।

यूपी के व्यंजनों को नई उड़ान, योगी सरकार के सहयोग से लोकल बनेगा ग्लोबल

'एक जनपद एक व्यंजन' के लिए बजट में रखा 75 करोड़ रुपये का प्रावधान

वाराणसी **(एजेंसी)**। काशी सदियों से केवल आध्यात्मिक नगरी ही नहीं बल्कि स्वाद की राजधानी भी रही है। यहां की गलियों से उठती सुबह-सुबह छनती कचौड़ियों की खुशबू, पान की गिलौरियों में घुला अपनापन और ठंडाई काशी की आत्मा का हिस्सा हैं। अब यही पारंपरिक स्वाद लोकल से ग्लोबल होने की ओर कदम बढ़ा रहा है। योगी सरकार इसके लिए 'एक जनपद एक व्यंजन' योजना लेकर आ रही है।

सरकार ने बजट में इसके लिए 75 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा है। इसके तहत पारंपरिक व्यंजनों की ब्रांडिंग, आधुनिक टेक्नोलॉजी, आकर्षक पैकेजिंग और प्रभावी मार्केटिंग के लिए विक्रेताओं को प्रोत्साहन दिया जाएगा। योजना में गुणवत्ता, स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। सभी उत्पादों को खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप प्रमाणित किया जाएगा ताकि उपभोक्ताओं को सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता वाला

स्वाद मिल सके।

काशी के जिन व्यंजनों ने वर्षों से लोगों के दिलों पर राज किया है, अब वे स्वाद वैश्विक होने की तैयारी में हैं। योगी सरकार ने यूपी के खानपान के लिए खजाना खोल दिया है। तिरंगा बर्फी के अलावा हींग की कचौड़ी, बनारसी पान, लौंगलता और ठंडाई का स्वाद यूपी दिवस पर लखनऊ में लगे स्टाल पर लोगों ने चखा था। इनमें से कुछ अपने इतिहास, कुछ परंपरा और कुछ स्वाद को लेकर ओडीओसी में अपनी मज़बूत दावेदारी पेश कर रहे हैं। सरकार जल्दी ही इनकी दावेदारियों में से उपयुक्त व्यंजन पर मोहर लगाकर ओडीओसी में शामिल करेगी।

योगी सरकार 'एक जनपद एक व्यंजन' योजना के माध्यम से प्रदेश की विशिष्ट पाक परंपराओं को नई पहचान देने जा रही है, जो केवल आर्थिक योजना नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रयास भी है। काशी की रसोई में पीढ़ियों से सहेजे गए स्वाद अब विश्व के व्यंजनों के मानचित्र पर अपनी जगह बनाने को तत्पर हैं। जब बनारस की गलियों से उठती खुशबू विदेशों तक पहुंचेगी, तो यह केवल व्यापार नहीं होगा बल्कि यह भारत की समृद्ध पाक विरासत का वैश्विक उत्सव होगा। काशी का स्वाद अब सीमाओं में बंधा नहीं रहेगा। लोकल ठेले से लेकर अंतरराष्ट्रीय बाजार तक, बनारसी व्यंजन अपनी पहचान और परंपरा के साथ दुनिया को यह बताने के लिए तैयार हैं कि स्वाद भी संस्कृति की सबसे मीठी भाषा होता है।

बुर्के में कांवड़ उठाना 'सौहार्द' है या 'गुनाह'?

मौलाना रजबी का बड़ा बयान- बोले, शरियत में इसकी कोई जगह नहीं, करें तौबा!

लखनऊ **(एजेंसी)**। सोशल मीडिया पर इन दिनों बुर्का पहने 2 महिलाओं का कांवड़ यात्रा करते हुए वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। जहां कुछ लोग इसे 'गंगा-जमुनी तहजीब' और भाईचारे की मिसाल मान रहे हैं, वहीं मुस्लिम धर्मगुरुओं ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। बरेली स्थित ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजबी ने इस मामले पर शरियत के हवाले से कड़ा रुख अपनाया है। बीते कुछ दिनों से इंटरनेट पर एक वीडियो चर्चा का केंद्र बना हुआ है। इसमें दो मुस्लिम महिलाएं बुर्का पहनकर कंधे पर कांवड़ उठाए शिव मंदिर की ओर जाती दिख रही हैं। दावा किया गया कि वे जलाभिषेक करने जा रही थीं। वीडियो के सामने आने के बाद बहस छिड़ गई कि क्या कोई मुस्लिम व्यक्ति दूसरे धर्म की पूजा पद्धति को अपना सकता है? मौलाना रजबी ने संबंधित महिलाओं और मुस्लिम समुदाय से अपील की है कि वे ऐसे कार्यों से बचें जिससे समुदाय की छवि खराब हो। उन्होंने कहा कि अनजाने में हुई गलती के लिए 'तौबा' (माफी) करना ही सही रास्ता है और भविष्य में इस तरह की गतिविधियों से परहेज किया जाना चाहिए।

पुलिस ने साइबर अपराध सुरक्षा के बारे में पम्पलेट वितरित कर किया जागरुक किया

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक व मयंक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ के कुशल पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह थाना शोहरतगढ के निर्देशन में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मलगवा शोहरतगढ़ थाना शोहरतगढ़ मे मौजूद महिलाओ / बच्चियों को जागरूक किया गया तथा खुद के साथ होने वाले अपराध से बचने के बारे मे उप निरीक्षक राजकुमार यादव, हेड कांस्टेबल अविनाश सिंह, कांस्टेबल पवन मौर्या, महिला कांस्टेबल जूही सिंह, महिला कांस्टेबल शोभा भारती की टीम द्वारा

जानकारी दी गयी।दहेज उत्पीड़न पॉक्सो एक्ट महिला संबन्धित मुकदमों में पीड़िताओं की काउंसलिंग की गई तथा मिशन शक्ति 5.0 स्टीकर भी चस्पा किया गया। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के सभी थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्र जहां पर अपनी समस्या को दर्ज करा सकती हैं के बारे में जानकारी दी गई तथा मिशन शक्ति फेज 5.0 के विषय मे महिलाओं को महिला सम्वन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101 अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर नए कानून के बारे में जानकारी दी गई।

अराजक तत्वों ने तोड़ी संत रविदास की प्रतिमा, नाराज ग्रामीणों ने काटा हंगामा

बलिया **(एजेंसी)**। जिले के फेफना क्षेत्र में संत रविदास की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त किये जाने का मामला सामने आया है। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि फेफना थाना क्षेत्र के बंधैता गांव में सोमवार की रात शरारती तत्वों द्वारा संत रविदास की प्रतिमा और एक स्तम्भ को क्षतिग्रस्त कर दिया गया।

मंगलवार की सुबह इसका पता लगने पर बड़ी संख्या में मौके पर एकत्र हुए ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। सूत्रों ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही उप जिलाधिकारी (सदर) तिरुम राज सिंह और अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। सिंह ने बताया कि मौके पर नयी प्रतिमा लाकर स्थिति को संभाला गया।

उन्होंने बताया कि आठ माह पहले सरकारी भूमि पर संत रविदास की प्रतिमा रखी गई थी। प्रतिमा स्थल पर सोमवार को स्तम्भ का निर्माण कराया जा रहा था। इस बीच रात में यह घटना हुई। सिंह ने बताया कि आयोजकों से स्पष्ट कहा गया है कि प्रदेश शासन से आवश्यक स्वीकृति मिलने के बाद ही आगे कोई कार्य कराया जाएगा, तब तक मौके पर यथास्थिति बनाये रखी जाए। थाना प्रभारी विश्वदीप सिंह ने बताया कि मौके पर स्थिति नियंत्रण में है।

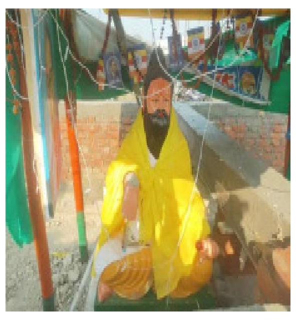

मिशन शक्ति पुलिस टीम द्वारा महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी सदर विश्वजीत शौरयान तथा प्रभारी निरीक्षक हरे कृष्ण उपाध्याय के कुशल नेतृत्व में मिशन शक्ति के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम तहत ग्राम लक्ष्मणपुर थाना उसका बाजार में उप निरीक्षक जय प्रकाश पांडे, महिला कांस्टेबल कालिंदी यादव द्वारा महिलाओं को जागरूक किया गया तथा खुद के साथ होने वाले अपराध से बचने के बारे मे जानकारी दी गयी तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे मे जैसे कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना व बहू सम्मेलन अभियानमुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनारानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला2 सम्मान कोषनारी शक्ति वंदन अधिनियममातृ शक्ति को सम्बलनिराश्रित महिला पेंशन योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना दहेज उत्पीड़न, पॉक्सो एक्ट महिला संबन्धित मुकदमों में पीड़िताओं की काउंसलिंग की गई तथा मिशन शक्ति 5.0 स्टीकर भी चस्पा किया गया। मा0 मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के सभी थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्र जहां पर अपनी समस्या को दर्ज करा सकती हैं के बारे में जानकारी दी गई तथा मिशन शक्ति फेज 5.0 के विषय मे महिलाओं को महिला सम्वन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101 अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर नए कानून के बारे में जानकारी दी गई।

असम बजट में वित्त मंत्री अजंता नियोग का दावा ऊंची हुई प्रति व्यक्ति आय, सबसे तेज ग्रोथ

गुवाहाटी **(एजेंसी)**। असम की वित्त मंत्री अजंता नियोग ने मंगलवार को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 62, 294.78 करोड़ रुपये का अंतरिम बजट विधानसभा में पेश किया और कहा कि प्रत्यक्ष नकद लाभ देने वाली प्रमुख योजनाएं आने वाले वर्षों में भी जारी रहेंगी। राज्य में कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। चुनाव से पहले अपना अंतिम बजट पेश करते हुए नियोग ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार इस समय असम देश का सबसे तेजी से बढ़ने वाला राज्य है। उन्होंने कहा, '' मैं वित्त वर्ष 2026-27 के शुरुआती महीनों के लिए अनुदान मांगों पर लेखानुदान (वोट ऑन अकाउंट) प्रस्तुत कर रही हूं, जिसकी राशि 62, 29, 478.30 लाख रुपये है ताकि पूर्ण बजट आने तक सरकार सामान्य सेवाएं जारी रख सके।'' नियोग ने कहा कि प्रमुख 'निजुत मोइना' योजना के तहत 2023-24 और 2024-25 के बीच छात्राओं के स्कूल छोड़ने की दर में 8.2 प्रतिशत की कमी आई है। माध्यमिक स्तर पर लड़कियों के कुल नामांकन अनुपात में 4.2 प्रतिशत और वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर 7.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

वित्त मंत्री ने कहा कि 'मुख्यमंत्री निजुत मोइना असोनी' योजना के तहत सरकार ने 1, 000 रुपये से 2, 500 रुपये तक की मासिक वित्तीय सहायता के लिए करीब 260 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं जिससे 55 लाख से अधिक छात्राओं को सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा, '' इसी प्रकार, मुख्यमंत्री निजुत बाबू योजना के तहत, स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के 47, 428 लड़कों को 1, 000 रुपये से 2, 000 रुपये की मासिक वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।'' असम विधानसभा के 126 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए चुनाव इस साल मार्च-अप्रैल में होने की

संभावना है। असम की गरीबी उन्मूलन योजना 'ओरुनोदोई' पर नियोग ने कहा कि इस कार्यक्रम के जरिये भारतीय जनता पार्टी नीत सरकार ने अपना वादा पूरा किया है। राज्य की वित्त मंत्री ने कहा, '' मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान के तहत, हमने प्रत्येक स्वयं सहायता समूह सदस्य को 10, 000 रुपये की प्रारंभिक पूंजी प्रदान करके 30.63 लाख से अधिक पात्र महिलाओं को सशक्त बनाया है। आज मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि 8.80 लाख 'लखपति बाईदेव' हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने का मुख्य आधार है।''

अपने 33 पृष्ठ के बजट भाषण में उन्होंने कहा कि असम वर्ष 2028 तक 10 लाख करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है जबकि इसके लिए तय लक्ष्य 2030 है। उन्होंने कहा, '' स्थिर कीमतों पर वित्त वर्ष 2019-20 से 2024-25 के बीच राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में 45 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जबकि इसी अवधि में राष्ट्रीय औसत वृद्धि 29 प्रतिशत रही।''

पुजारी का बेरहमी से कत्ल! ब्राह्मणों से नफरत बनी हत्या की वजह, आरोपी ने सीने पर पैर रखकर काटी गर्दन

सीधी **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में पुजारी पंडित इंद्रभान द्विवेदी की बेरहमी से हुए हत्याकांड के मुख्य आरोपी कामता प्रसाद उर्फ लाला केवट को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वारदात के बाद पूरे इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है। एहतियातन भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। लोगों के आक्रोश को देखते हुए आरोपी की दुकान और घर सील कर दिया गया है। घटना रविवार 15 फरवरी 2026 महाशिवरात्री के शुभ दिन सुबह करीब 9 बजे की है। जहां कुसमी क्षेत्र मंल इंद्रभान द्विवेदी (75) हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान आरोपी मोटरसाइकिल से आया और उनकी गर्दन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमले के बाद भी आरोपी ने कई वार किए, जिससे पुजारी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर जांच शुरू की।

हत्याकांड के बाद इलाकावासियों में आक्रोश था और गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई थी। लोगों के मुताबिक, इंद्रभान द्विवेदी पिछले लगभग 30 वर्षों से तहसील परिसर स्थित हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना कर रहे थे। समाज में उनकी छवि एक सरल और सम्मानित व्यक्ति की थी और उनकी किसी से कोई दुश्मनी भी नहीं थी। उनकी हत्या से क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है।घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया।

लोगों के मुताबिक, आरोपी को ब्राह्मणों से नफरत थी। वह पहले भी कई बार ब्राह्मणों से मारपीट कर चुका है। वह पूजा पाठ करने वाले लोगों को परेशान करता था। इसी नफरत के चलते वारदात के दिन आरोपी ने पंडित के सीने पर पैर रखा और गर्दन काट दी।

नृशंस हत्याकांड के बाद क्षेत्र में आक्रोश फैल गया था। स्थानीय लोगों की मांग पर पुलिस ने आरोपी कामता प्रसाद उर्फ लाला केवट की मुर्गा-मीट की दुकान और घर को सील कर दिया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है और उसके आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि आरोपी पहले भी कई आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। हालांकि पुलिस का कहना है कि हर पहलू की निष्पक्ष जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच जारी है और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया गया है। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों से बचने की अपील की है।

त्रिशा कृष्णन पर भाजपा नेता की 'गंदी बात', नैनार नागेंद्रन के बयान पर तमिलनाडु में सियासी बवाल

चेन्नई **(एजेंसी)**। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन द्वारा तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) प्रमुख विजय और अभिनेत्री तृषा के बारे में की गई टिप्पणी पर तीखा प्रहार करते हुए इसे घटिया और अस्वीकार्य बताया और कार्रवाई की मांग की। इस विवाद पर पत्रकारों से बात करते हुए टैगोर ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा और आरएसएस में फैली बीमारी जिला स्तर तक, विशेषकर तमिलनाडु में फैल रही है। प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने महिलाओं के खिलाफ ऐसे शब्द कहे हैं जो किसी राजनीतिक नेता को नहीं बोलने चाहिए।

टैगोर ने आगे कहा कि करूर से निर्वाचित सांसद के साथ भाजपा के जिला सचिव और जिला अध्यक्षों द्वारा एक सार्वजनिक सभा में जो किया गया है, वह अस्वीकार्य है। एफआईआर दर्ज कर ली गई है और मुझे उम्मीद है कि तमिलनाडु पुलिस इस तरह की घटिया हरकत करने वालों को गिरफ्तार करेगी। सभी दलों से निंदा का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि हम सभी को इस तरह के व्यवहार की निंदा करनी चाहिए, जो हर तरह के लोग करते हैं और महिलाओं का अपमान करते हैं, खासकर एक सांसद का, साथ ही किसी भी आम महिला का। चाहे वह किसी भी पेशे में हो, चाहे पत्रकारिता में हो, शिक्षक हो या कोई भी महिला हो, उसके साथ इस तरह का व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए, जैसा कि आरएसएस और भाजपा लगातार कर रहे हैं

और प्रधानमंत्री मोदी इस पर चुप्पी साधे हुए हैं।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब नागेंद्रन ने हाल ही में विजय की आलोचना करते हुए तृषा के बारे में व्यक्तिगत टिप्पणी की। विजय ने अपनी राजनीतिक पार्टी, तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) लॉन्च की है। तृषा और विजय ने कई फिल्मों में साथ काम किया है। डीएमके राज्यसभा सांसद कनिमोझी एनवीएन सोमू ने कहा कि राजनीति में सक्रिय किसी व्यक्ति के निजी जीवन की आलोचना करना 'असभ्य' और महिलाओं के लिए अपमानजनक है। डीएमके सांसद तमिझाची थंगापंडियन ने भी भाजपा नेता की आलोचना करते हुए कहा कि सार्वजनिक रूप से यात्रा कर रही किसी महिला के बारे में अपमानजनक बातें करना और राजनीतिक विचार व्यक्त करना उचित नहीं है और महिलाओं के साथ गरिमापूर्ण व्यवहार किया जाना चाहिए।

पैर छूकर दिया सम्मान, फिर डिप्टी रेंजर समेत दो को मारी गोली, फायरिंग के बाद खुद भी फांसी पर झूला

रायसेन **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में नर्सरी परिसर में सोमवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब एक पूर्व कर्मचारी ने डिप्टी रेंजर सहित तीन लोगों पर फायरिंग कर दी। घटना में डिप्टी रेंजर राकेश शर्मा और महिला कर्मचारी सुमन बाई गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि एक अन्य कर्मचारी डालचंद बाल-बाल बच गया।

जानकारी के अनुसार, आरोपी पूरन उर्फ गुड्डा लोधी करीब पांच साल पहले नर्सरी में मजदूरी करता था। ड्यूटी में लापरवाही के चलते उसे हटा दिया गया था। घटना के दिन वह देसी कट्टा लेकर नर्सरी पहुंचा। एडिशनल एसपी कमलेश कुमार खरपुसे के मुताबिक, आरोपी ने पहले डिप्टी रेंजर के पैर छुए, फिर किसी बात को लेकर नाराजगी जताई और अचानक फायरिंग शुरू कर दी। राकेश शर्मा को पीठ में गोली लगी, जबकि सुमन बाई को लगी गोली आर-पार हो गई। डालचंद पर भी कट्टा ताना गया, लेकिन वह भागते समय गिर गया, जिससे गोली उसे नहीं लगी।

घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। कुछ समय बाद उसका शव एक पेड़ से लटका मिला। पुलिस ने मौके का मुआयना कर आत्महत्या की आशंका जताई है। घायलों को तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और फायरिंग के पीछे के कारणों की पड़ताल की जा रही है।

भारत पहुंचे फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों : 26/11 के शहीदों को दी श्रद्धांजलि, भावुक पलों का मुंबई बना गवाह

मुम्बई **(एजेंसी)**। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और प्रथम महिला ब्रिगिट मैक्रों ने सोमवार को मुंबई तैनाती ही 2008 के 26/11 आतंकवादी हमलों के पीड़ितों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति मैक्रों ने पुष्पांजलि अर्पित कर आतंकवादियों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति साझा संकल्प को निर्देशांक किया। 26/11 के नाम से कुख्यात इस आतंकवादी हमले में 10 आतंकवादियों ने समुद्री रास्ते से मुंबई में घुसपैठ कर चार दिनों तक तनावपूर्ण फैलाई थी। इस हमले में 166 लोगों की मौत हुई थी और 300 से ज्यादा घायल हुए थे, जिन्होंने पूरी दुनिया को झकझोर दिया था। फ्रांसीसी राष्ट्रपति की यह भारत की चौथी यात्रा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके स्वागत में कहा कि यह दौरा भारत-फ्रांस द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। सोशल मीडिया पर पीएम मोदी ने लिखा कि दोनों देशों की बातचीत से विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग और वैश्विक प्रगति को बढ़ावा मिलेगा। मुंबई हवाईअड्डे पर राष्ट्रपति मैक्रों का स्वागत महाराष्ट्र के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के अनुसार, इस यात्रा के दौरान दोनों नेता 'ईयर ऑफ इनोवेशन 2026' की औपचारिक शुरुआत करेंगे, जिससे भारत-फ्रांस एनडीए साझेदारी को नया आयाम मिलेगा। राष्ट्रपति मैक्रों और पीएम मोदी के बीच रक्षा, व्यापार, स्वच्छ ऊर्जा, तकनीक और एनडीए सहयोग पर व्यापक बातचीत प्रस्तावित है। खास तौर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उभरती तकनीकों पर दोनों देशों का फोकस रहेगा। इसके बाद दोनों नेता दिल्ली रवाना होंगे, जहां वे इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में भाग लेंगे। 16 से 20 फरवरी तक भारत मंडपम में आयोजित यह कॉन्फ्रेंस 'पीपल, प्लैनेट और प्रोग्रेस' के तीन स्रोतों पर आधारित है और ग्लोबल साउथ में आयोजित पहला वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन है। यह दौरा फरवरी 2025 में पेरिस में आयोजित एआई एक्शन समिट की निरंतरता माना जा रहा है, जहां भारत और फ्रांस ने वैश्विक तकनीकी नेतृत्व में अपनी संयुक्त भूमिका को मजबूत किया था।

श्रीजेश ने भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच पद के लिए दोबारा किया आवेदन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। महान गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने भारत की जूनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच के रूप में अपने कार्यकाल के पिछले साल दिसंबर में समाप्त होने के बाद इस पद के लिए दोबारा आवेदन किया है। इस नियुक्ति पर अगले पखवाड़े में फैसला होने की संभावना है। दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता श्रीजेश को अगस्त 2024 में जूनियर पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। उनके मार्गदर्शन में भारत ने बीते दिसंबर में चेन्नई में आयोजित एफआईएच पुरुष हॉकी जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीता था।

टीम ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए अर्जेंटीना को 4-2 से हराकर नौ साल बाद इस प्रतियोगिता में पोडियम स्थान हासिल किया था। श्रीजेश ने कहा, 'हां, विश्व कप के बाद 21 दिसंबर को मेरा अनुबंध खत्म हो गया था और उसके बाद मैं केरल स्थित अपने गृहनगर में हूं। विज्ञापन आने पर मैंने दोबारा आवेदन किया। मुझे पता है कि छह-सात अन्य उम्मीदवारों ने भी आवेदन किया है। अब देखते हैं क्या होता है।'

उन्होंने अपने कोचिंग के अनुभव पर कहा, 'यह सीखने का शानदार अनुभव रहा। मैंने खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने अनुभव साझा किए। उतार-चढ़ाव रहे, लेकिन विश्व कप का कांस्य पदक खास रहा। हमारा लक्ष्य हालांकि स्वर्ण था। संन्यास के बाद मेरा मकसद खेल को कुछ लौटाना था और जूनियर खिलाड़ियों के साथ अपने अनुभव का साझा करने से बेहतर क्या हो सकता है।'

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि कम से कम छह अन्य उम्मीदवार भी दौड़ में हैं। उन्होंने हालांकि नामों का खुलासा नहीं किया। उन्होंने कहा, 'नियमित प्रक्रिया के तहत जूनियर पुरुष टीम के कोच पद के लिए विज्ञापन जारी किया गया है क्योंकि श्रीजेश का अनुबंध विश्व कप के बाद समाप्त हो गया था। छह-सात उम्मीदवारों ने रुचि दिखाई है, जिनमें श्रीजेश भी शामिल हैं। स्क्रीनिंग और साक्षात्कार

के बाद अगले एक-दो सप्ताह में नियुक्ति कर दी जाएगी।'

भोला नाथ ने एफआईएच प्रो लीग के राउरकेला चरण में सीनियर भारतीय पुरुष टीम के निराशाजनक प्रदर्शन पर भी बात की, जहां टीम को बेल्जियम और अर्जेंटीना के खिलाफ लगातार चार हार झेलनी पड़ी। इसमें अर्जेंटीना के खिलाफ 0-8 की करारी शिकस्त सबसे निराशाजनक परिणाम रहा था। सिंह ने कहा कि आगामी सत्र काफी व्यस्त है और इसमें एशियाई खेल और विश्व कप शामिल हैं। इन टूर्नामेंटों को देखते हुए चिंता की कोई बात नहीं है। उनके अनुसार मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन सर्वश्रेष्ठ संयोजन तलाशने के लिए टीम में प्रयोग कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'चिंता की कोई बात नहीं है। महत्वपूर्ण टूर्नामेंट से पहले हम प्रो लीग में कुछ युवा और नए खिलाड़ियों को आजमा रहे थे। हमें जरूरी फीडबैक मिल गया है और भविष्य में नतीजे दिखाई देंगे।' भारत अपना अगला दौरा 20 से 25 फरवरी तक होने वाले एफआईएच प्रो लीग के होबार्ट चरण के लिए करेगा। टीम को यहां मेजबान ऑस्ट्रेलिया और स्पेन का सामना करना होगा।

एफआईएच प्रो लीग 2025-26 : हॉबार्ट लेग के लिए 24 सदस्यीय भारतीय हॉकी टीम का ऐलान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। हॉकी इंडिया ने एफआईएच मेंस प्रो लीग 2025-26 के हॉबार्ट लेग के लिए 24 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। यह मुकाबले 20 से 25 फरवरी तक ऑस्ट्रेलिया के हॉबार्ट स्थित तस्मानिया हॉकी सेंटर में खेले जाएंगे। इस चरण में भारत के साथ स्पेन और मेज़बान ऑस्ट्रेलिया भी हिस्सा लेंगे।

राउरकेला लेग में बेल्जियम और अर्जेंटीना के खिलाफ मुकाबलों के बाद अब भारतीय टीम हॉबार्ट में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। टीम में अनुभव और युवा जोश का बेहतरीन संतुलन देखने को मिल रहा है। दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता हार्दिक सिंह को टीम की कमान सौंपी गई है। वहीं हरमनप्रीत सिंह निजी कारणों से इस दौरे का हिस्सा नहीं होंगे। राउरकेला लेग में सीनियर टीम के लिए डेब्यू करने वाले अमनदीप लकड़ा और मनमीत सिंह को भी टीम में शामिल किया गया है।

गोलकीपर के रूप में सूरज करकेरा और मोहित होन्नेनहल्ली शशिकुमार जिम्मेदारी संभालेंगे। डिफेंस में अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, संजय और सुमित अनुभव प्रदान करेंगे। इनके साथ अमनदीप लकड़ा, यशदीप सिवाच और पूवन्ना चंदूरा बोबी जैसे युवा खिलाड़ी भी शामिल हैं।

मिडफील्ड में कप्तान हार्दिक सिंह के साथ संजय, विवेक सागर प्रसाद और राज कुमार पाल अहम भूमिका निभाएंगे। इनके अलावा राजिंदर सिंह, मनमीत सिंह, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह और विष्णुकांत सिंह भी टीम का हिस्सा हैं।

मनींदर सिंह की टीम में वापसी हुई है, जो 2022 एशिया कप और पिछली प्रो लीग सीजन का हिस्सा रहे हैं।

अंगद बीर सिंह अपने पहले अंतरराष्ट्रीय दौरे पर जाएंगे, जबकि अराइजीत सिंह हुंडाल और आदित्य अर्जुन लालगे भी आक्रमण को

मजबूती देंगे। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि राउरकेला में निराशाजनक प्रदर्शन से टीम ने काफी सबक सीखे हैं। उन्होंने कहा कि हॉबार्ट लेग में बेहतर प्रदर्शन कर टीम वर्ल्ड कप और एशियन गेम्स के लिए अपनी अंतिम तैयारियों को मजबूत करना चाहती है।

गोलकीपरः सूरज करकेरा, मोहित होन्नेनहल्ली शशिकुमार।

डिफेंडरः अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, संजय, सुमित, अमनदीप लकड़ा, यशदीप सिवाच, पूवन्ना चंदूरा बोबी।

मिडफील्डरः राजिंदर सिंह, मनमीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, हार्दिक सिंह, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, विष्णुकांत सिंह, राज कुमार पाल। फॉरवर्डः अभिषेक, शिलानंद लकड़ा, मनदीप सिंह, अराइजीत सिंह हुंडाल, आदित्य अर्जुन लालगे, अंगद बीर सिंह, मनींदर सिंह।

कृत्रिम मेधा भारतीय कंपनियों के लिए बड़े अवसर लेकर आई है, कारोबार को नुकसान नहीं : नैसकॉम

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। उद्योग संगठन नैसकॉम में कृत्रिम मेधा (एआई) प्रमुख अंकित बोस ने मंगलवार को कहा कि दुनिया भर में एआई का तेज विकास भारतीय कंपनियों के लिए बड़े अवसर उत्पन्न कर रहा है और इससे उनके कारोबार पर नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि नौकरियों में कटौती की जगह भारत में कामकाज की प्रकृति बदलेगी क्योंकि कृत्रिम मेधा (एआई) के बढ़ते उपयोग के साथ भूमिकाएं भी बदलेंगी। बोस ने कहा, ''कृत्रिम मेधा पूरी दुनिया में विकसित हो रही है लेकिन इसे क्रियान्वित कौन करेगा... इसके लिए लोगों की जरूरत है। अब भारत क्षमता बढ़ा रहा है। व्यापक स्तर पर एआई का इस्तेमाल किया जा रहा है और भारतीय पेशेवर इसे क्रियान्वित करेंगे। यह हमारे लिए बड़ा अवसर है लेकिन हमें समय से आगे रहना होगा और अपनी क्षमताओं को लगातार निखारना होगा।''

अंकित बोस ने 'एआई इम्पैक्ट समिट' के एक सत्र से इतर बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि क्षमता निर्माण के लिए सरकार और निजी क्षेत्र कदम उठा रहे हैं। बोस ने कहा, ''आने वाले कुछ महीनों में हम करीब डेढ़ लाख लोगों को कृत्रिम मेधा आधारित विकास कार्यों के लिए सक्षम बनाएंगे। हम सरकार के साथ मिलकर कॉलेज के लिए जरूरी पाठ्यक्रम भी तैयार कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि इस तेजी से

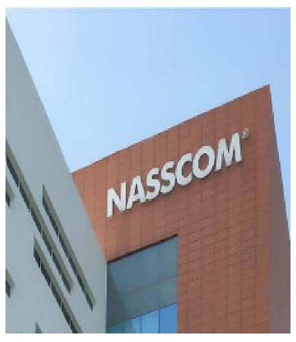

बढ़ती प्रौद्योगिकी के कारण घरेलू या वैश्विक कंपनियों को सेवाएं देने वाली भारतीय कंपनियों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। वास्तव में ये कंपनियां आगे बढ़ेंगी।

बोस ने कहा कि वैश्विक स्तर पर कृत्रिम मेधा के इस्तेमाल के लिए अधिक लोगों की जरूरत है और इसमें भारत की बड़ी ताकत है, हालांकि अल्प अवधि में कुछ उतार-चढ़ाव संभव है। ये टिप्पणियां अहम हैं क्योंकि भारत, सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रौद्योगिकी आधारित सेवाओं का बड़ा निर्यातक है। सत्र में सिफी टेक्नोलॉजीज के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक राजू वेगेसना ने कहा कि कृत्रिम मेधा के मोर्चे पर अभी लंबा रास्ता तय करना है। राजू ने भारत में आंकड़ा केंद्रों के लिए बिजली आपूर्ति की उपलब्धता की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''कृत्रिम मेधा कोई परियोजना नहीं है, यह एक यात्रा है। इसमें काफी समय लगेगा।''

दुबई पैरा एथलेटिक्स 2026 : भारत का परच, 43 मेडल के साथ पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में बना नंबर 1

दुबई **(एजेंसी)**। भारत ने दुबई 2026 ग्रां प्री - 17वीं फाज़ा इंटरनेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 43 पदकों के साथ पदक तालिका में पहला स्थान हासिल किया। भारत ने कुल 16 स्वर्ण, 13 रजत और 14 कांस्य पदक अपने नाम किए। कोलंबिया और केन्या ने 20-20 पदक जीते, जिनमें क्रमशः 11 और 6 स्वर्ण पदक शामिल रहे। मेज़बान यूएई 31 पदकों (6 स्वर्ण) के साथ चौथे स्थान पर रहा। यह सीजन का पहला वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री था।

भारत के लिए यह प्रदर्शन खास रहा क्योंकि अगला डब्ल्यूपीए ग्रां प्री नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित होना है। ऐसे में भारतीय एथलीटों ने दुबई क्लब फॉर पीपल ऑफ डिटरमिनेशन ग्राउंड पर आत्मविश्वास से भरी शुरुआत की।

दो बार के पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने पुरुषों की जेवलिन एफ 64 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर शानदार वापसी की। वहीं पेरिस 2024 के स्वर्ण पदक विजेता नवदीप (जेवलिन एफ 41) और धर्मबीर नैन (क्लब थ्रो एफ 51) ने भी गोल्ड जीतकर सीजन की बेहतरीन शुरुआत की।

रजत पदक विजेताओं में सुनील कुमार, प्रणव सूरमा और गुरुभास्कर सक्कप्पन शामिल रहे, जबकि कांस्य पदक रंजीत चंदा, पूनम राम, फातिमा खातून, दीपेश कुमार सहित अन्य खिलाड़ियों ने जीते। फाज़ा चैंपियनशिप लंबे समय से वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स सर्किट का अहम हिस्सा रही है। दुबई में शीर्ष स्थान हासिल कर भारत ने आने वाली वैश्विक प्रतियोगिताओं से पहले मजबूत संदेश दे दिया है।

वैलेंटाइन डे पर माया हॉक बनीं म्यूजिशियन की दुल्हन शादी में स्ट्रेंजर थिंग्स की स्टारकास्ट का लगा जमावड़ा

'स्ट्रेंजर थिंग्स' की मशहूर एक्ट्रेस माया हॉक अब शादी के बंधन में बंध गई हैं। 14 फरवरी यानी वैलेंटाइन डे के खास मौके पर उन्होंने न्यूयॉर्क के एक सुंदर से चर्च में अपने पुराने बॉयफ्रेंड और म्यूजिशियन क्रिश्चियन ली हटसन के साथ शादी की। यह शादी किसी फिल्मी नजारे से कम नहीं थी, जिसमें स्ट्रेंजर थिंग्स की स्टार कास्ट समेत हॉलीवुड के कई बड़े सितारे शामिल हुए।

शादी में 'स्ट्रेंजर थिंग्स' की पूरी टीम एक साथ नजर आई। माया के दोस्त और को-स्टार्स् जैसे फिन वोल्फहार्ड, सैडी सिंक और जो कीरी अपने दोस्त की खुशी में शामिल होने पहुंचे। इस दौरान माया के माता-पिता, मशहूर एक्टर इथन हॉक और उमा थर्मन भी अपनी बेटी को आशीर्वाद देने पहुंचे। सालों बाद माया के मम्मी-पापा को किसी सार्वजनिक मौके पर एक साथ देखना फैंस के लिए काफी भावुक पल था। शादी के लिए माया ने बहुत ही प्यारा और अलग तरह का लुक चुना था। उन्होंने सफेद रंग की खूबसूरत वेडिंग ड्रेस पहनी थी, जिस पर उन्होंने ठंड से बचने के लिए एक बड़ा और पंखों वाला स्टाइलिश कोट डाला हुआ था। उनकी ड्रेस बिना स्लीव्स की थी और नीचे से काफी घेरदार थी, जो उन्हें किसी राजकुमारी जैसा लुक दे रही थी।

माया ने अपने लुक को बहुत ही सिंपल रखा। उन्होंने गहनों के नाम पर बस सुंदर सी अंगूठियां और हीरे के छोटे झुमके पहने थे। वहीं उनके पति क्रिश्चियन काले रंग के टक्सीडो में काफी जंच रहे थे। शादी की रस्मों के बाद यह जोड़ा अपने दोस्तों के साथ न्यूयॉर्क की सड़कों पर घूमता हुआ भी नजर आया, जहां उनकी कई खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

डिजिटल पेमेंट्स की रफ्तार तेज, लेकिन कैश का क्रेज बरकरार, 40 लाख करोड़ की नकदी का नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। देश में डिजिटल भुगतान तेज़ी से बढ़ रहा है लेकिन नकदी का चलन भी मजबूत बना हुआ है। भारतीय स्टेट बैंक की रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक, करेंसी इन सर्कुलेशन यानी बाजार में मौजूद कुल नकदी का मूल्य लगभग 40 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। यह बढ़ोतरी ऐसे समय में दर्ज हुई है जब यूपीआई और अन्य डिजिटल माध्यमों का उपयोग लगातार बढ़ रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि नकदी की मांग बढ़ने के पीछे कई संरचनात्मक और व्यवहारिक कारण हैं। रिसर्च के अनुसार, कुछ राज्यों में जीएसटी नोटिस के बाद छोटे व्यापारियों के बीच नकद लेनदेन की ओर झुकाव बढ़ा है। उदाहरण के तौर पर जुलाई 2025 में कर्नाटक के करीब 18, 000 छोटे कारोबारियों को ळइ्ध ट्रांजैक्शन के आधार पर जीएसटी नोटिस भेजे गए थे। इसके बाद संबंधित क्षेत्रों में औसतन हर महीने लगभग 37 करोड़ रुपए की अतिरिक्त नकदी निकासी दर्ज की गई। इससे संकेत मिलता है कि कुछ व्यापारी डिजिटल ट्रेल से बचने के लिए कैश को प्राथमिकता दे रहे हैं।

रिपोर्ट में मनी डिमांड मॉडल के जरिए यह भी बताया गया है कि केवल डिजिटल भुगतान का विस्तार ही नकदी की मांग तय नहीं करता। ब्याज दरों में कमी और ग्रामीण क्षेत्रों में खपत बढ़ने से भी बाजार में नकदी की जरूरत बढ़ी है यानी डिजिटल ट्रांजैक्शन बढ़ने के बावजूद नकद लेनदेन पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है।

रिपोर्ट के मुताबिक 100, 200 और 500 रुपए के नोटों का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। मार्च 2025 तक 500 रुपए के नोटों की हिस्सेदारी 86इ तक पहुंच गई। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी बैंकों को एटीएम में 100 और 200 रुपए के नोटों की उपलब्धता बढ़ाने के निर्देश दिए हैं, ताकि छोटे मूल्य के लेनदेन में सुविधा बनी रहे।

जीवन के हर क्षेत्र में बदलाव लाएगी एआई प्रौद्योगिकी : अमिताभ कांत

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमिताभ कांत ने मंगलवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) एक अत्यंत परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकी है जो जीवन के हर क्षेत्र में बदलाव लाएगी। उन्होंने वैश्विक असमानताओं को बढ़ने से रोकने के लिए एआई के सुलभ, किफायती, जवाबदेह और बहुभाषी होनी पर जोर दिया। राष्ट्रीय राजधानी में 'एआई इम्पैक्ट समिट' में उन्होंने कहा कि भारत ने कम समय में दशकों की प्रगति को पीछे छोड़ दिया क्योंकि इसकी प्रणालियां 'ओपन-सोर्स आर्किटेक्चर', 'ओपन एपीआई' और वैश्विक पारस्परिकता पर आधारित हैं। 'भारत की अगली एक अरब आबादी के लिए एआईः समावेशी एवं भविष्य के लिए तैयार वृद्धि के लिए अंतरपीढ़ीगत अंतर्दृष्टि' विषय पर आयोजित सत्र में उन्होंने कहा, ''इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह अत्यंत परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकी है। यह हर क्षेत्र को छुएगी, जीवन के हर तरीके को बदल देगी। इसलिए यह बहुत आवश्यक है कि कृत्रिम मेधा सुलभ, किफायती एवं जवाबदेही हो।''

जी-20 के पूर्व शेरपा कांत ने कहा कि कृत्रिम मेधा में भारी निवेश हो रहा है, जिससे बड़ा व्यवधान उत्पन्न हो सकता है और समाज अत्यधिक असमान भी बन सकता है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम मेधा प्रणालियां बहुभाषी होनी चाहिए, नहीं तो आबादी का बड़ा हिस्सा इससे अछूता रह जाएगा। कांत ने कहा, '' चुनौती यह है कि क्या हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि कृत्रिम मेधा गरीबी रेखा से नीचे रहने वालों तक पहुंचेष्ठ क्या इससे नागरिकों के जीवन में बदलाव आ सकता हैष्ठ क्या इससे शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण जैसे वैश्विक स्तर की बड़ी समस्याओं में सुधार हो सकता है।''

कांत ने जोर देकर कहा कि दुनिया आगे बढ़ रही है, ऐसे में यह बेहद जरूरी है कि प्रौद्योगिकी की शक्ति का उपयोग कम विकसित देशों के नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए किया जाए। उन्होंने कहा कि जब भारत या कम विकसित देश (ग्लोबल साउथ) अपने मॉडल तैयार करे, तो वे अपने ही आंकड़ों पर आधारित होने चाहिए। कांत ने साथ ही कहा कि भारत 10 बड़े भाषा मॉडल तैयार कर रहा है, आंकड़ों के भंडार खोल रहा है और स्टार्टअप व शोधकर्ताओं को कम लागत पर कंप्यूटिंग उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने कहा, ''भारत को अपने आंकड़ों, अपनी प्रतिभा और कंप्यूटिंग ताकत को नागरिकों तक पहुंचाना होगा, ताकि हम इसका पूरा लाभ उठा सकें।''

कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से रुपये को मिला सहारा, डॉलर के मुकाबले 90.73 के स्तर पर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट के चलते मंगलवार को शुरुआती कारोबार में भारतीय रुपये में मामूली सुधार देखा गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 1 पैसे की बढ़त के साथ 90.73 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। हालांकि, डॉलर की मजबूती और विदेशी फंडों की निकासी ने रुपये की इस तेजी पर लगाम लगाए रखी।

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से घरेलू मुद्रा को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि मजबूत डॉलर और विदेशी पूंजी की निकासी ने हालांकि स्थानीय मुद्रा की बढ़त को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.72 पर खुला।

हालांकि बाद में फिसलकर 90.73 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से एक पैसा की बढ़त दर्शाता है। रुपया सोमवार को आठ पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.74 पर बंद हुआ था।

इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 97.14 पर रहा।

घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 245.87 अंक टूटकर 83, 031.28 अंक पर जबकि निफ्टी 106.45 अंक फिसलकर 25, 576.30 अंक पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 68.33 डॉलर प्रति बैरल रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) सोमवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने 972.13 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

परंपरा और करुणा का संगम! दिशा पाटनी और पेटा इंडिया ने केरल के मंदिर को भेंट किया 'रोबोटिक हाथी'

केरल की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को आधुनिक और मानवीय स्पर्श देते हुए बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी और पेटा इंडिया ने एक सराहनीय कदम उठाया है। उन्होंने त्रिशूर के थोडथरा कलापट्टू श्री भद्रकाली मंदिर को एक वास्तविक आकार का यांत्रिक (मैकेनिकल) हाथी भेंट किया है, जिसका शनिवार को भव्य समारोह में अनावरण किया गया।

पेटा इंडिया ने एक बयान में कहा कि तीन मीटर ऊंचे और 500 किलोग्राम वजनी यांत्रिक हाथी को मंदिर को दान में दिया गया था, क्योंकि मंदिर ने कभी भी जीवित हाथियों को रखने या किराए पर लेने का निर्णय नहीं किया था। यह पेटा इंडिया द्वारा भारत के मंदिरों को दान किया गया यह 20वां रोबोटिक हाथी है और केरल में दिया गया 11 वां है।

बयान में आगे कहा गया है कि यांत्रिक हाथी का उद्घाटन समारोह और पंचवाद्यम प्रदर्शन के साथ स्वागत किया गया। यह रबर, फाइबर, धातु, जाली, फोम और स्टील से बना सातवां ऐसा हाथी है, जो पांच मोटरों द्वारा संचालित है और त्रिशूर के एक मंदिर को दान किया गया है। पाटनी ने बयान में कहा, मुझे बहुत खुशी है कि यांत्रिक हाथी थोडाथरा कलापट्टू देवी दासन का इस्तेमाल अब थोडाथरा कलापट्टू श्री भद्रकाली क्षेत्रम में अनुष्ठानों और समारोहों के लिए किया जाएगा, ताकि परंपराएं अनुग्रह और करुणा के साथ जारी रह सकें।

कैपामंगलम विधानसभा क्षेत्र से भाकपा विधायक ई टी टायसन मास्टर ने इसकास्वागत करते हुए कहा कि यांत्रिक हाथी का चयन एक प्रगतिशील कदम है जो जानवरों और जनता दोनों की रक्षा करता है। उन्होंने अपने बयान में कहा, थोडथरा कलापट्टू श्री भद्रकाली क्षेत्रम ने केरल के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। यह दयालु निर्णय हमारी सांस्कृतिक परंपराओं का सम्मान करते हुए सुरक्षित समारोहों को सुनिश्चित करता है। पेटा ने कहा कि यांत्रिक हाथी दिखने में, महसूस करने में और काम करने में असली हाथी जैसा होता है।

सियासत में व्यक्तिगत टिप्पणी! भाजपा नेता के कमेंट पर तृषा कृष्णन ने दी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

दक्षिण भारतीय फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री तृषा कृष्णन ने तमिलनाडु भाजपा प्रमुख नैनार नागेंद्रन द्वारा उनके खिलाफ की गई व्यक्तिगत और 'अशोभनीय' टिप्पणी पर कड़ा रुख अपनाया है। अभिनेता से राजनेता बने विजय पर निशाना साधने के लिए तृषा के नाम का इस्तेमाल किए जाने पर अभिनेत्री ने स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार के अनादर को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह विवाद तब शुरू हुआ जब भाजपा नेता नैनार नागेंद्रन ने विजय की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं का मजाक उड़ाया। विजय की पार्टी 'तमिलगा वेट्ट्री कझगम' द्वारा आगामी विधानसभा चुनावों में द्रमुक को चुनौती देने के दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए नागेंद्रन ने कहा-'बेचारा आदमी, वह पूरी तरह से अनुभवहीन है। पहले उसे अपने घर से बाहर निकलना चाहिए। पहले तृषा के घर से बाहर आओ, तब कुछ हो सकता है।'

त्रिशा ने इस घटना पर एक स्टेटमेंट पोस्ट करके जवाब दिया, जिसका कैप्शन था, 'बेइज़्ज़ती का विरोध किया जाना चाहिए और हमेशा किया जाएगा।' उनके लीगल एडवाइजर, नित्येश नटराज ने एक फॉर्मल स्टेटमेंट जारी किया जिसमें उन्होंने अपनी निराशा ज़ाहिर की और नैनार नागेंद्रन का नाम लिए बिना इस मुद्दे पर अपनी स्थिति साफ़ की। स्टेटमेंट में लिखा था, 'मेरी क्लाइंट (त्रिशा) ने कभी उम्मीद नहीं की थी कि राज्य की पॉलिटिकल दुनिया में ऊंचे पद पर बैठे किसी व्यक्ति द्वारा इतनी बुरी और गलत बात कही जाएगी।'

स्टेटमेंट में आगे, त्रिशा के लीगल एडवाइजर ने उनकी पॉलिटिकल न्यूट्रैलिटी को दोहराते हुए कहा कि 'वह किसी भी पॉलिटिकल पार्टी से जुड़ी नहीं हैं और न ही उनका ऐसा करने का इरादा है।' स्टेटमेंट में यह भी साफ़ किया गया कि जब पॉलिटिक्स की बात आती है तो एक्टर ने हमेशा न्यूट्रल स्टैंड लिया है।

उनकी प्रोफेशनल पहचान पर ज़ोर देते हुए, स्टेटमेंट में लिखा था, 'मेरी क्लाइंट सिर्फ़ अपने काम से पहचान बनाना चाहती हैं, न कि किसी कहे जा रहे पॉलिटिकल अलाइनमेंट से। इसके अलावा और सबसे ज़रूरी बात, यह आम कहावत है कि पर्सनल लाइफ को कभी भी पब्लिक कमेंट्री या बातचीत का विषय नहीं बनाना चाहिए, और यह उम्मीद की जाती है कि ऊंचे पदों पर बैठे लोग पब्लिक बातचीत में ज़िम्मेदारी और संतुलन बनाए रखें।' बयान के आखिर में कहा गया, 'रिक्वेस्ट है कि मेरे क्लाइंट का नाम उन मामलों में न घसीटा जाए जिनका उससे कोई लेना-देना नहीं है।'

भाजपा के वरिष्ठ नेता की बेटी कांग्रेस में शामिल, गरमाई सियासत

भोपाल **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश के इंदौर से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व विधायक और मध्य प्रदेश खाद एवं ग्रामोद्योग निगम के पूर्व अध्यक्ष सत्यनारायण सत्तन की बेटी कनुप्रिया सत्तन कांग्रेस में शामिल हो गई है। कनुप्रिया ने आज भोपाल में कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक और महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष अर्चना जायसवाल की उपस्थिति में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।भोपाल स्थित कांग्रेस कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कनुप्रिया सत्तन को पार्टी की सदस्यता दिलाई गई। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों ने उनका स्वागत करते हुए संगठन को मजबूत करने की बात कही। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, भाजपा के वरिष्ठ नेता के परिवार से जुड़ी यह एंट्री इंदौर और प्रदेश की राजनीति में नए समीकरण पैदा कर सकती है। कनुप्रिया सत्तन का कांग्रेस में शामिल होना कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, खासकर तब जब प्रदेश में आगामी राजनीतिक गतिविधियां तेज हो रही हैं। अब देखना होगा कि इस घटनाक्रम पर भाजपा की ओर से क्या प्रतिक्रिया आती है और कनुप्रिया सत्तन कांग्रेस संगठन में किस भूमिका में नजर आती हैं।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौता किसानों के हितों की रक्षा करता है : शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कहा कि अमेरिका के साथ हाल ही में हुआ व्यापार समझौता भारतीय किसानों के हितों की रक्षा करता है और इसे सावधानीपूर्वक विचार के बाद अंतिम रूप दिया गया है। जयपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने सुनिश्चित किया है कि कोई भी निर्णय देश के किसानों को नुकसान नहीं पहुंचाएगा। उन्होंने कहा, 'मैं भारत का कृषि मंत्री होने के नाते पूरी जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं कि इस व्यापार समझौते में भारतीय किसानों के हितों का पूरा ध्यान रखा गया है।

यह सुनिश्चित किया गया है कि भारत के किसानों को कोई नुकसान न हो।' आयात पर चौहान ने कहा कि जिन चीजों की भारत को आवश्यकता है, उन्हें आयात करना पड़ता है। उन्होंने कहा, 'हम आज भी दालों में आत्मनिर्भर नहीं हैं। यदि कोई आवश्यक वस्तु किसी अन्य देश से आती है तो इसमें आपत्ति क्यों?' सेब आयात का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत लगभग 5.5 लाख मीट्रिक टन सेब आयात करता है। उन्होंने कहा, 'ये तुर्की और ईरान जैसे देशों से आते हैं। यदि एक लाख मीट्रिक टन अमेरिका से आता है और यह सुनिश्चित किया जाता है कि हमारे किसानों पर असर न पड़े, तो इसमें समस्या क्या है?'

कपास पर उन्होंने कहा कि वस्त्र उद्योग को कमी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने सवाल किया कि 'जब कपास उत्पादन कम होता है तो हमें आयात करना पड़ता है। यदि आवश्यकता है तो आपत्ति क्यों होनी चाहिए?' कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए चौहान ने कहा कि वे रोजाना झूठे आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'एक नेता हैं जो पार्ट-टाइम राजनेता और फुल-टाइम नाटककार हैं। वे न व्यापार समझते हैं न परंपरा।

जिन्होंने कभी गांव और खेत नहीं देखे, वे रोज आरोप लगाते हैं।' केंद्रीय मंत्री ने सवाल किया कि पूर्ववर्ती संप्रग सरकार ने स्वामीनाथन समिति की रिपोर्ट क्यों लागू नहीं की, जिसमें उत्पादन लागत से 50 प्रतिशत अधिक पर एमएसपी तय करने की सिफारिश की गई थी। उन्होंने कहा, 'संप्रग सरकार ने हलफनामा दाखिल किया था कि इससे बाजार बिगड़ जाएगा। नरेन्द्र मोदी ने ही यह निर्णय लिया कि लागत से 50 प्रतिशत अधिक पर एमएसपी दिया जाएगा।'

उन्होंने यह भी पूछा कि 2006-07 में जब रिकॉर्ड चीनी उत्पादन हुआ था तो कांग्रेस ने बफर स्टॉक क्यों नहीं बनाया। उन्होंने कहा, 'जब कीमतें गिरीं तो किसानों की रक्षा क्यों नहीं की गई? यह कैसा व्यापार था कि चीनी 36 रुपये प्रति किलो आयात की गई और 12.50 रुपये प्रति किलो निर्यात की गई।' खाद्य तेल आयात का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 1993-94 तक भारत खाद्य तेलों में आत्मनिर्भर था और कांग्रेस सरकार ने खाद्य तेलों को ओपन जनरल लाइसेंस में डालकर देश को आयात पर निर्भर बना दिया। उन्होंने कहा, 'गोदामों में हजारों टन अनाज पड़ा था। उच्चतम न्यायालय ने भी कहा था कि इसे गरीबों में बांट दो। लेकिन तब की संप्रग सरकार ने कहा कि न्यायालय को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।' चौहान ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार ही 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त अनाज उपलब्ध करा रही है।

उन्होंने कहा कि किसान 'अन्नदाता' हैं और सरकार किसानों के हितों को बढ़ावा देने और उन्हें तकनीक की मदद से सशक्त बनाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा, 'हमें प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ना चाहिए। हमें कृषि को पशुपालन और अन्य गतिविधियों से जोड़ना चाहिए ताकि किसानों की आय बढ़े। हमारा प्रयास किसानों की कठिनाइयों को कम करने और समाप्त करने का है। राजग नेतृत्व में किसानों का कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।' कार्यक्रम में मंत्री ने किसानों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्लेटफॉर्म 'भारत-विस्तार' लॉन्च किया। यह एक बहु-स्तरीय डिजिटल प्लेटफॉर्म है जिसे कृषि समुदाय को संपूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया, जबकि विभिन्न राज्यों के कृषि मंत्री वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए।

पूनम पांडे का चौंकाने वाला खुलासा 'फेमस क्रिकेटर ने भेजा मैसेज, करना चाहता था हैंगआउट'; अब बुरी तरह हो रही ट्रोल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। एक्ट्रेस और मॉडल पूनम पांडे अक्सर अपने विवादित बयानों और हरकतों की वजह से सुर्खियों में रहती हैं। कभी अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में आती हैं, तो कभी किसी अफवाह के चलते। इस बार उन्होंने क्रिकेट जगत और एक्टिंग इंडस्ट्री से जुड़े एक विवादित बयान के कारण सुर्खियों में आ गई हैं।

हाल ही में फिल्मविंडो के साथ बातचीत में पूनम पांडे ने बताया कि उन्हें कई क्रिकेटर्स और एक्टर्स डायरेक्ट मैसेज (डीएम) भेजते हैं। बातचीत के दौरान उनसे पूछा गया कि क्या वो उन लोगों के नाम बताएंगी। पूनम ने कहा कि नाम नहीं बता सकतीं, लेकिन कई ऐसे खिलाड़ी और स्टार्स हैं, जो उन्हें मैसेज करते हैं। उन्होंने बताया कि कुछ मैसेजिंग ऐसे थे जैसे किसी क्रिकेटर ने लिखा कि 'आप बहुत क्यूट लगती हैं।' यह मैसेज बार-बार आने लगे, जिसके बाद पूनम को उस व्यक्ति को ब्लॉक करना पड़ा।

जब उनसे पूछा गया कि ये लोग सीरियस होते हैं या सिर्फ

टाइमपास, तो उन्होंने कहा कि मैसेज देखकर ऐसा लगता है कि ये लोग गंभीर नहीं हैं। 'मुझे लगता है कि ये सिर्फ मेरे साथ हैंगआउट करना चाहते हैं। कई बार इन्हें इग्नोर करना पड़ता है। मुझे यकीन है कि मेरी तरह और भी लड़कियों को ऐसे मैसेज आते होंगे।'

पूनम पांडे के इस बयान के बाद उन्हें सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया जा रहा है। कई यूजर्स का कहना है कि यह सब स्क्रिप्टेड है और पूनम सिर्फ अटेंशन पाने के लिए यह बयान दे रही हैं। इससे पहले, एक्ट्रेस खुशी मुखर्जी ने भी इसी तरह की बात कही थी। उन्होंने बताया था कि क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव उन्हें मैसेज करते थे। खुशी की इस बात के बाद भी सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हुई थी।

त्रिपुंड और रुद्राक्ष की माला पहने बाबा महाकाल के दर्शन करने पहुंचा जफर, बजरंग दल ने की पिटाई

भोपाल **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश के उज्जैन में पर्व के दौरान पंडित के भेष में घूम रहे एक युवक को बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। मामला नानाखेड़ा थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, बजरंग दल के जिला संयोजक को सूचना मिली थी कि एक युवक होटल में कमरा लेने के लिए अपनी आईडी के बजाय एक युवती के पहचान पत्र का उपयोग करने का प्रयास कर रहा है। सूचना के आधार पर कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और युवक से पूछताछ की। प्रारंभिक पूछताछ में युवक ने स्वयं को हिंदू नाम से परिचित कराया, लेकिन सख्ती से पूछने पर उसकी पहचान जाफर के रूप में सामने आई। बताया जा रहा है कि वह एक युवती को दिल्ली से उज्जैन लाया था। दोनों ने दिन में मंगलनाथ मंदिर और महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन किए थे।

बाद में युवक को पकड़कर नानाखेड़ा थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है, जिसमें युवती की भूमिका, पहचान से जुड़े दस्तावेज और होटल बुकिंग प्रक्रिया की भी पड़ताल की जा रही है। फिलहाल मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

नई दिल्ली से चेन्नई जा रही जीटी एक्सप्रेस के कोच में लगी भीषण आग, धुआं देख यात्रियों में मची भगदड़

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। महाराष्ट्र के वर्धा जिले में मंगलवार सुबह उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब नई दिल्ली से चेन्नई जा रही जीटी एक्सप्रेस (ग्रैंड ट्रंक एक्सप्रेस) आग की लपटों से घिर गई। यात्रियों के बीच दहशत का माहौल था और जान बचाने की जद्दोजहद के बीच एक बड़ा रेल हादसा टल गया। गनीमत रही कि रेलवे की त्वरित कार्रवाई और यात्रियों की सूझबूझ से किसी भी जानमाल का नुकसान नहीं हुआ।

ट्रेन संख्या 12616 नई दिल्ली-चेन्नई जीटी एक्सप्रेस मंगलवार सुबह जब नागपुर से रवाना होकर वर्धा जिले के सिंदी-तुलजापुर सेक्शन पर पहुंची, तभी सुबह करीब 11:09 बजे ट्रेन के आखिरी गार्ड कोच से काला धुआं और आग की लपटें उठती देखी गईं। लपटें इतनी तेज थीं कि देखते ही देखते कोच धुएं के गुबार में तब्दील हो गया। कोच में मौजूद लोगों ने जैसे ही धुआं देखा, तुरंत अलार्म बजाया गया और ट्रेन को आपातकालीन स्थिति में रोका गया। आग की सूचना मिलते ही मध्य रेलवे के प्रशासन में हड़कंप मच गया। सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए सबसे पहले प्रभावित कोच को ट्रेन के बाकी डिब्बों से काटकर अलग किया गया, ताकि आग अन्य बोगियों तक न फैल सके। दमकल विभाग को तुरंत सूचना दी गई और यात्रियों को सुरक्षित सुरक्षित दूरी पर ले जाया गया। मध्य रेलवे के अधिकारियों के अनुसार, प्रभावित कोच में मौजूद सभी यात्रियों को समय रहते बाहर निकाल लिया गया था, जिससे कोई हताहत नहीं हुआ।

फिलहाल इस भीषण आग के सटीक कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। रेलवे के तकनीकी विशेषज्ञ इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी या इसके पीछे कोई और तकनीकी खराबी थी।

जिनेवा वार्ता से पहले ट्रंप की ईरान को खुली धमकी-'डील करो या अंजाम भुगतो'

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने जिनेवा में होने वाली अहम परमाणु वार्ता से पहले ईरान को कड़ा और चेतावनी भरा संदेश दिया है। वॉशिंगटन डीसी में पत्रकारों से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान ने समझौता नहीं किया तो उसे इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। ट्रंप ने बताया कि वह इस उच्चस्तरीय वार्ता प्रक्रिया में 'अप्रत्यक्ष रूप से' शामिल रहेंगे। उन्होंने कहा कि जिनेवा में होने वाली बातचीत बेहद महत्वपूर्ण है। ट्रंप के मुताबिक, ईरान भले ही एक 'कठिन वार्ताकार' हो, लेकिन उसकी नेतृत्व क्षमता कमजोर रही है। उन्होंने कहा, 'अगर वे सही समय पर समझौता कर लेते तो हमें उनके परमाणु ठिकानों पर बी-2 विमान भेजने की जरूरत ही नहीं पड़ती।'

ट्रंप ने यह भी दावा किया कि हालिया सैन्य कार्रवाई ने पूरे भू-राजनीतिक परिदृश्य को बदल दिया और ईरान को दोबारा कूटनीति की ओर लौटने के लिए मजबूर किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि आगे ईरान 'ज्यादा समझदारी' दिखाएगा, क्योंकि आर्थिक और राजनीतिक दबाव उसे बातचीत की मेज पर ला रहे हैं। मिडिल ईस्ट की स्थिति पर बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि कहीं-कहीं तनाव जरूर दिख सकता है, लेकिन कुल मिलाकर क्षेत्र में शांति कायम है। उन्होंने कहा, 'आप कहीं-कहीं आग की लपटें देख सकते हैं, लेकिन मूल रूप से मिडिल ईस्ट में शांति है। यह इसलिए संभव हुआ क्योंकि हमने परमाणु क्षमता पर ँ-2 हमला किया।'

ट्रंप ने हालिया सैन्य अभियान ऑपरेशन मिडनाइट हैमर का बचाव करते हुए कहा कि इसके बिना ईरान एक महीने के भीतर परमाणु हथियार बना लेता। इस ऑपरेशन के तहत अमेरिका ने ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों फोर्डो, नतांज़ और इस्फ़हान को निशाना बनाया था। इससे पहले अप्रैल 2025 में ईरान और अमेरिका के बीच ओमान के मस्कट और इटली के रोम में परमाणु वार्ता के दौर हुए थे, लेकिन जून 2025 में सैन्य हमलों के बाद हालात पूरी तरह बदल गए। ईरान ने इन हमलों को अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन बताया था। अब सैन्य टकराव के बावजूद दोनों देश एक बार फिर परमाणु समझौते पर चर्चा के लिए मंगलवार को जिनेवा में मिलने जा रहे हैं। अमेरिकी मीडिया के मुताबिक, अमेरिका की ओर से विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर इन वार्ताओं में हिस्सा लेंगे।

विदाई भाषण में भी यूनुस ने भारत के खिलाफ उगला जहर! 'सेवन सिस्टर्स' पर दिया विवादित बयान

ढाका **(एजेंसी)**। बांग्लादेश के निवर्तमान अंतरिम सरकार प्रमुख मुहम्मद यूनुस ने अपने विदाई भाषण में भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को लेकर ऐसा बयान दे दिया, जिसने एक बार फिर भारत-बांग्लादेश रिश्तों में नई तल्खी पैदा कर दी है। यूनुस ने भारत के 'सेवन सिस्टर्स' को नेपाल और भूटान जैसे संप्रभु देशों के साथ जोड़कर पेश किया, जिसे कई विश्लेषकों ने कूटनीतिक असंवेदनशीलता करार दिया। राष्ट्रीय टेलीविजन पर दिए गए भाषण में यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश का समुद्र केवल सीमा नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़ने का द्वार है और नेपाल, भूटान व 'सेवन सिस्टर्स' के साथ मिलकर इस क्षेत्र में 'विशाल आर्थिक संभावनाएं' हैं। लेकिन भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को अलग पहचान के रूप में पेश करना नई दिल्ली को नागवार गुजरा।

यह बयान ऐसे समय आया है जब 2024 में शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के पतन के बाद दोनों देशों के रिश्ते

पहले ही तनावपूर्ण दौर से गुजर रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि यूनुस लगातार भारत की क्षेत्रीय संवेदनशीलताओं को नजरअंदाज करते रहे हैं। इससे पहले मार्च 2025 में चीन यात्रा के दौरान यूनुस ने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को 'लैंडलॉक्ड' बताते हुए बांग्लादेश को उनका 'समुद्र का एकमात्र संरक्षक' कहा था। इस बयान पर भारत में तीखी प्रतिक्रिया हुई थी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इसे 'आपत्तिजनक और निंदनीय' बताया था।यूनुस के बयानों के बाद अप्रैल 2025 में भारत ने बांग्लादेश को दी गई ट्रांस-शिपमेंट सुविधा वापस ले ली। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साफ कहा था कि यह फैसला भारत के बंदरगाहों और हवाई अड्डों पर बढ़ते दबाव और लॉजिस्टिक अव्यवस्थाओं के कारण लिया गया। इसी बीच बांग्लादेश के भीतर हालात लगातार बिगड़ते गए। जुलाई 2024 के आंदोलन के बाद देश में हिंसा, अपराध, मॉब लिंचिंग और अल्पसंख्यकों खासतौर पर हिंदुओं पर हमलों में तेजी आई। महिलाओं के खिलाफ अपराध भी बढ़े हैं। यूनुस सरकार ने कानून-व्यवस्था बहाल करने का वादा किया था, लेकिन एक साल से अधिक समय बीतने के बावजूद हालात काबू में नहीं आ सके।विशेषज्ञों का मानना है कि यूनुस का कार्यकाल न केवल आंतरिक अस्थिरता बल्कि क्षेत्रीय कूटनीति में भी विफलताओं का प्रतीक बन गया है।

उत्तर मध्य रेलवे

पत्र सं. एस./टेन्डर एवं बुलेटिन/07/2026 दिनांक: 13.02.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या, 07/2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि. मंडल सामग्री प्रबन्धक, उ.म.रे. प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदा आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या/विवरण	मात्रा	ई.म.डी. (₹)	निविदा खुलने की तिथि
1	**19265395:** स्थायी रूप से लुब्रिकेटेड एच डी पी ई डक्ट।	115 किलो मीटर	₹ 1,11,250/-	11.03.2026
2	**19258184:** 05 वॉट वीएचएफ डिजिटल वॉकी टॉकी सेट।	1141 सेट	₹ 5,70,870/-	18.03.2026
3	**19265275:** डेटा मॉनिटरिंग सिस्टम का डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग।	01 सेट	₹ 4,64,000/-	17.03.2026
4	**19265276:** आई जी बी टी के लिए डबल पल्स टेस्ट सेटअप का डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग।	01 सेट	₹ 2,85,560/-	17.03.2026

नोटः (1) उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। (2) उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T. Act 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class III Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय भार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। (4) संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिये। उपरोक्त निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाईट https://www.ncr.indianrailways.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाईट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 350/26 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

बांग्लादेश में शपथ ग्रहण पर सियासी टकराव बीएनपी के फैसले पर जमात ने रोकी शपथ

ढाका **(एजेंसी)**। बांग्लादेश में 13वीं संसद के गठन से पहले ही जनमत-संग्रह और संविधान सुधार परिषद को लेकर बड़ा राजनीतिक गतिरोध सामने आ गया है। चुनाव में विजयी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) द्वारा संविधान सुधार परिषद के सदस्य के रूप में शपथ लेने से इनकार किए जाने के बाद दक्षिणपंथी जमात-ए-इस्लामी ने भी अपने नवनिर्वाचित सहयोगियों की शपथ रोक दी। मंगलवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन ने संसद भवन जातीय संसद में बीएनपी सांसदों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके बाद जमात-ए-इस्लामी के सांसदों की शपथ होनी थी, लेकिन बीएनपी के फैसले के चलते स्थिति जटिल हो गई।

जमात-ए-इस्लामी के उपाध्यक्ष अब्दुल्ला मोहम्मद ताहिर ने स्पष्ट कहा कि जब तक बीएनपी सांसद नियमित सांसदों के साथ-साथ संविधान सुधार परिषद के सदस्य के रूप में भी शपथ नहीं लेते, तब तक उनकी पार्टी संसद सदस्य के रूप में शपथ नहीं लेगी। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के अनुसार, 'संवैधानिक सुधारों के बिना संसद का कोई अर्थ नहीं है।'संविधान सुधार परिषद की दूसरी शपथ तथाकथित 'जुलाई चार्टर' को लागू करने की प्रतिबद्धता से जुड़ी है, जिसमें संविधान में व्यापक बदलाव का प्रस्ताव है। जनमत-संग्रह में 84 सूत्रीय जटिल प्रस्ताव रखा गया था, जिसमें निर्वाचन आयोग के अनुसार 60 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने 'हां' में मतदान किया।

वहीं बीएनएस की नीति-निर्धारण स्थायी समिति के सदस्य और नवनिर्वाचित सांसद सलाहुद्दीन अहमद ने शपथ ग्रहण से पहले पार्टी सहयोगियों से कहा कि उन्हें संविधान सुधार परिषद के सदस्य के रूप में नहीं चुना गया है और अभी तक इस परिषद से जुड़ना कोई भी प्रस्ताव संविधान का हिस्सा नहीं है।

एपस्टीन फाइल्स विवाद पर ट्रंप का जवाब : 'मैं तो पूरी तरह बरी, मेरे पास छिपाने के लिए कुछ नहीं'

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। एपस्टीन फाइल्स को लेकर दुनियाभर में जारी विवाद के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर दोषी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के साथ किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया है। ट्रंप ने स्पष्ट कहा कि जांच में उन्हें पूरी तरह से बरी कर दिया गया है और उनके पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। एयर फ़ोर्स वन में रिपोर्टर्स से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा, 'मेरे पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। मुझे पूरी तरह बरी कर दिया गया है। जेफरी एपस्टीन से मेरा कोई लेना-देना नहीं है। डेमोक्रेट्स को उम्मीद थी कि उन्हें कुछ मिलेगा, लेकिन ठीक इसका उल्टा हुआ।'ट्रंप ने आरोप लगाया कि इस पूरे मामले को राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि एपस्टीन ने कभी उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं का समर्थन नहीं किया था। ट्रंप के मुताबिक, 'वह मेरे खिलाफ थे और चाहते थे कि मैं कभी आगे न बढ़ूं।'डेमोक्रेट्स पर निशाना साधते हुए ट्रंप ने कहा कि इस जांच में पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन समेत कई अन्य डेमोक्रेट नेताओं के नाम सामने आए हैं। उन्होंने कहा, 'यह दिलचस्प है कि अब उन्हें घसीटा जा रहा है। क्लिंटन और कई दूसरे डेमोक्रेट्स का नाम इसमें आया है।'

ट्रंप ने यह भी जिक्र किया कि पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने आरोप लगाया है कि एपस्टीन मामले का इस्तेमाल उनसे ध्यान हटाने के लिए किया जा रहा है। हालांकि ट्रंप ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा, 'यह उनकी समस्या है। मुझे नहीं पता आगे क्या होगा, लेकिन मैंने उन्हें म्यूनिख में देखा था और उन्हें अब भी ट्रंप डिरेंजमेंट सिंड्रोम है।' गौरतलब है कि जेफरी एपस्टीन की साल 2019 में फेडरल कस्टडी के दौरान मौत हो गई थी। उस समय वह नाबालिगों की सेक्स ट्रैफिकिंग के गंभीर आरोपों में मुकदमे का सामना करने वाला था।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2012/52437 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स टिकरी, कमला नगर, प्रयागराज से मुद्रित एवं 80-ए मेहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 से प्रकाशित एवं सम्पादित।

● सम्पादक विनीता शर्मा ● मोबाइल : 9415975437, 7007837917, 9415223357 ● E-Mail : editormantrabharat@gmail.com ● वैधानिक सूचना:- मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय होगा।